News Rutin Aug. 24- Full Size-2.qxd 8/12/2024 8:09 PM Page 1

RNI NO. CHHHIN/2022/83778

न्यूज रूटीन

मासिक, बलौदाबाजार से प्रकाशित

बढ़ते हुए कदम

अगर आपने दर्द में भी मुस्कुराना सीख लिया तो समझिए आपने जिन्दगी जीना सीख लिया

वर्ष : 03 | अंक : 08 | मासिक, बलौदाबाजार, अगस्त 2024 | E-mail: newsroutine6@gmail.com | पृष्ठ : ०८ | मूल्य : 15 रू.

रिमझिम बारिश के बीच जनदर्शन में बड़ी संख्या में पहुंचे आमजन

मुख्यमंत्री ने हर घर तिरंगा कार्यक्रम का किया शुभारंभ, जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं, बड़ी संख्या में हुआ मौके पर ही आवेदनों का निराकरण

रायपुर। जनदर्शन कार्यक्रम में लोगों का एक बार फिर आमजनों में उत्साह दिखा, रिमझिम बारिश के बीच बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए मुख्यमंत्री निवास पहुंचे थे। इस बार एक और बात को लेकर लोगों में उत्साह दिखा वह हर घर तिरंगा कार्यक्रम को लेकर था। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जनदर्शन कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ में हर घर तिरंगा कार्यक्रम की शुरूआत की। मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आने वाले लोगों को उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज भी वितरित किया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 6 हजार 200 से अधिक श्रमिक परिवारों को 11 करोड़ 41 लाख रूपए की सहायता राशि के वितरण का शुभारंभ करते हुए प्रतीक स्वरूप 12 हितग्राहियों को सहायता राशि वितरित की। इस मौके पर मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत, श्री पी.दयानंद सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

जनदर्शन कार्यक्रम में रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास पहुंची महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री से मिलकर महतारी वंदन योजना शुरू करने के लिए उनका आभार जताया और कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने में यह योजना कारगर सिद्ध हो रही है। महिलाओं ने बताया कि बहनों की राखी इस बार शानदार रहेगी। भाईयों के लिए अच्छी मिठाईयां खरीदेंगे। मुख्यमंत्री ने 37वें राष्ट्रीय खेल में मिनी गोल्फ में कांस्य पदक जीतकर लौटी महासमुन्द निवासी चयन कुमारी और रायपुर की रंजीता खलको से भी मुलाकात की और उनकी हौसल अफजाई की। इन खिलाड़ियों ने बताया कि 20 से 25 अगस्त तक इंटरनेशनल हुड बॉल में हिस्सा लेने दक्षिण कोरिया जा रही है।

रायपुर जिले के ग्राम पंचायत परसुलीडीह के सरपंच के आग्रह पर मुख्यमंत्री ने परसुलीडीह के स्कूल भवन में बच्चों के लिए मध्यान्ह भोजन बनाने के लिए जिला प्रशासन के अधिकारियों को जल्द से जल्द शेड निर्माण करने के निर्देश दिए। बलौदाबाजार जिले के डोंगरिया के किसानों ने मुख्यमंत्री को बताया कि केमिकल प्लांट से खरीफ और रबी की फसल खराब हो गई है। इस पर उन्होंने अधिकारियों को किसानों को जल्द राहत दिलाने कहा। जनदर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने रायपुर शहर के चौरसिया कॉलोनी की 18 वर्षीय सना परवीन, ग्राम सेरीखेड़ी की निवासी कोमल लहरे, और धमतरी जिले के ग्राम कचना के निवासी ठगिया साहू को मोटराईज्ड ट्राई सायकल प्रदान किया।

रक्षाबंधन के तोहफे में मिलेगी अनुकंपा नियुक्ति

मुख्यमंत्री से बिलासपुर की रिशी अग्रवाल और बेमेतरा जिले की सिद्धका गोस्वामी ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए गुहार लगाई। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आप राखी के पूर्व मेरे लिए राखी लेकर आई है और आपने मेरे हाथों में राखी बांध दिया। छत्तीसगढ़ की सभी बहनों का स्नेह मुझ पर है। रक्षाबंधन का तोहफा मैं आपको अनुकंपा नियुक्ति के रूप में जल्द प्रेषित करूंगा। उन्होंने अनुकंपा नियुक्ति के आवेदनों पर अधिकारियों को जल्द कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जमीन का जल्द मिलेगा मुआवजा

बालोद निवासी श्री बोधन लाल ने मुख्यमंत्री श्री साय को बताया कि उनकी जमीन अंडा में सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहित की गई थी, लेकिन अब तक उन्हें भू-अर्जन की मुआवजा राशि नहीं मिल पाई है। मुख्यमंत्री ने इस पर बालोद कलेक्टर को त्वरित कार्रवाई कर भू अर्जन की राशि दिलाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही भू अर्जन से प्रभावित अन्य लोगों को भी शीघ्र राहत देने के निर्देश दिए।

आदेश की बार-बार अवहेलना करने पर जताई नाराजगी

बिलासपुर कलेक्टर अवनीश को हाईकोर्ट ने जारी किया अवमानना नोटिस

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक मामले में आदेश की बार-बार अवहेलना करने पर बिलासपुर जिलाधीश अवनीश शरण को अवमानना नोटिस जारी किया है। हाईकोर्ट ने जिलाधीश से आदेश की अवहेलना पर स्पष्टीकरण मांगा है।

दरअसल ग्राम नेवसा के कृषक अजय कश्यप और उनके भाई-बहनों ने अपनी संयुक्त कृषि भूमि को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें बताया गया कि पुनीतराम कश्यप ने बिना जानकारी के उनकी जमीन को किसान पोर्टल में अपने नाम से पंजीकृत कर लिया और धान बेचना शुरू कर दिया। इसके चलते अजय और उनके परिवार ने एसडीएम से लेकर कलेक्टर तक गुहार लगाई, पर कोई सुनवाई नहीं हुई। परेशान अजय कश्यप ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। जिसके बाद दिसंबर 2023 में हाई कोर्ट ने बिलासपुर कलेक्टर अवनीश शरण को नोटिस जारी कर जवाब देने का निर्देश दिया था। परंतु, कलेक्टर ने इसे नजरअंदाज कर दिया। इसके बाद, अजय कश्यप ने पुनः हाई कोर्ट में याचिका दायर की। हाई कोर्ट ने फरवरी 2024 को कलेक्टर सहित राजस्व अधिकारियों को आदेश का पालन करने का अंतिम अवसर दिया, परंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिलाधीश को एक सप्ताह का समय जवाब देने के लिए दिया गया है।

छत्तीसगढ़ में निकाय और पंचायत चुनाव एक साथ कराएगी सरकार

रायपुर। विधानसभा और लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद अब छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव की तैयारियां शुरू हो चुकी है। संभावतः इसी साल के अंत तक यहां निकाय चुनाव और पंचायत चुनाव की तारीखों का ऐलान किया जा सकता है।

लेकिन इस बीच डिप्टी सीएम अरुण साव के एक बयान ने सियासी गलियारों में खलबली मचा दी है। अरुण साव के बयान के बाद ये माना जा रहा है कि छत्तीसगढ़ में निकाय और पंचायत चुनाव एक साथ कराए जा सकते हैं।

दरअसल डिप्टी सीएम अरुण साव ने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि देश में वन नेशन-वन इलेक्शन की चर्चा हो रही है। छत्तीसगढ़ सरकार भी इसी दिशा में सोच रही है। निकाय-पंचायती चुनाव एक साथ कराए जाने को लेकर सुझाव मांगे गए हैं। राज्य सरकार ने एक कमेटी का भी गठन किया है, जो सुझावों पर विचार करके तय करेगी। म्युनिसिपल व पंचायती नियमों का भी अध्ययन करेंगे, जिसके बाद समिति की रिपोर्ट पर सरकार निर्णय करेगी।

गृहमंत्री विजय शर्मा ने 25 दिव्यांगजनों को बांटे स्कूटी

कवर्धा। गृहमंत्री विजय शर्मा द्वारा 25 दिव्यांगजनों को स्कूटी बांटे गए है। एक्स पोस्ट में गृहमंत्री विजय शर्मा ने बताया, आज कवर्धा विधायक कार्यालय में 25 दिव्यांगजनों को स्कूटी प्रदान किया गया ताकि उनके जीवन में और अधिक सुगमता आए। दिव्यांग जनों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए हर सम्भव प्रयास करने के लिए हम संकल्पित है। 'पहले बहुत दिक्कत हुई आपको थैंक्यू मैं बड़ी होकर अधिकारी बनूंगी' बेटी ने यह कहा तो मैं स्वयं को धन्य महसूस कर रहा हूँ। जन कल्याण की सोच के साथ मैंने सामाजिक क्षेत्र में कार्य किया वह साकार हो रहा हैं! ऐसे कई दिव्यांग थे जिनको जीवन में दिक्कतों का सामना करना पड़ता था आज उनको स्कूटी प्रदान की तो वो बहुत खुश हुए की अब उनको दिक्कतों का सामना नही करना पड़ेगा।

सरकार ने हाईकोर्ट में दिया जवाब

जेल में बंद कैदियों का मानदेय बढ़ा

बिलासपुर। हाईकोर्ट में जेल के कैदियों का मानदेय बढ़ाने के मामले में गुरुवार को सुनवाई हुई. इस दौरान राज्य शासन ने हाईकोर्ट में शपथपत्र पेश किया. जिसमें बताया गया कि कैदियों की कुशल और अकुशल दोनों श्रेणियों का मानदेय बढ़ाया जा रहा है. याचिका में की गई मांग पूरी होने के आधार पर चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच ने याचिका निराकृत कर दी.

बता दें, कि प्रदेश की जेलों में बंदियों को समुचित पारिश्रमिक दिये जाने की मांग को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व गृह मंत्री नंदकीराम कंवर ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका लगाई थी. याचिका में बताया गया था, कि कैदियों को प्रतिदिन के हिसाब से 60 से 75 रुपये तक पारिश्रमिक दिया जाता है. वर्षों से बंदियों को यही पारिश्रमिक दिया जा रहा है, जो आज के समय में पर्याप्त नहीं कहा जा सकता है. इन्हें कलेक्टर दर की तरह ही मेहनताना दिया जाना चाहिए, जो बाद में इनके जीवन में काम आ सके. मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने राज्य शासन को नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था. गुरुवार को शपथपत्र प्रस्तुत कर राज्य शासन की ओर से बताया गया कि प्रदेश की जेल में बंद कैदियों का मानदेय बढ़ाया जा रहा है. अकुशल कैदियों को 60 की जगह 80 और कुशल श्रेणी में 75 से बढ़ाकर 100 रुपए प्रतिदिन मानदेय किया जाएगा. कोर्ट ने राज्य शासन के जवाब से संतुष्ट होकर याचिका निराकृत कर दी.

ट्रैक्टर से पकड़ाया 10 लाख का गांजा

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में पुलिस ने 10 लाख रुपए का गांजा जब्त किया है। पूरूर थाना क्षेत्र के ग्राम सोहतरा में पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक ट्रैक्टर को संदिग्ध हालत में खड़ा पाया। पुलिस ने ट्रैक्टर की तलाशी ली। ट्रॉली के नीचे बने गुप्त चैंबर में भारी मात्रा में गांजा मिला। पुलिस ने 103 किलोग्राम गांजा बरामद किया, जिसकी बाजार में कीमत लगभग 10 लाख रुपए आकी गई है। आरोपियों ने बड़ी ही चालाकी से ट्रॉली के नीचे गुप्त चेंबर बनाकर गांजा छुपा रखा था, ताकि पुलिस की नजरों से बचा जा सके। पुलिस ने ट्रैक्टर सहित गांजा जब्त कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल, पुलिस आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह गांजा कहां से लाया जा रहा था और इसे कहां ले जाया जा रहा था।

पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग आर.एस विश्वकर्मा अध्यक्ष

सदस्यों की हुई नियुक्ति

रायपुर। छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की अधिसूचना दिनांक 16 जुलाई 2024 के अनुसार आयोग में नई नियुक्तियां की गई हैं। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग मंत्रालय ने इसका आदेश और नवनियुक्त अध्यक्ष और सदस्यों नामों की सूची जारी की है। शासन द्वारा जारी आदेश के मुताबिक सेवानिवृत्त आईएएस आर.एस विश्वकर्मा को आयोग के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। इसके अलावा 6 सदस्यों की नियुक्ति की गई है।, सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक नीलांबर नायक को बलौदाबाजार-भाठापारा, सेवानिवृत्त सहायक प्राध्यापक और पूर्व सचिव राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग बलदाऊराम साहू को दुर्ग, हरिशंकर यादव को टिकलीपारा फरसाबहार और सेवानिवृत्त प्राचार्य यशवंत वर्मा को जशपुर से सदस्य नियुक्त किया गया है। शैलेन्द्री परगनिया, अधिवक्ता को सङ्ग रायपुर से सदस्य और कृष्णा गुप्ता को बलरामपुर से सदस्य नियुक्त किया गया है। बता दें कि नियुक्त अध्यक्ष और सदस्यों का कार्यकाल छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग में पद ग्रहण की तिथि से अधिनियम की कंडिका 4 के अनुसार 3 माह का होगा। वेतन, मानदेय और भत्ता आदि के संबंध में प्रशासकीय विभाग द्वारा पृथक से निर्देश जारी किए जाएंगे।

डीजीपी और सीएस की राज्यपाल रमेन डेका ने ली बैठक

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने राजभवन में मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा सहित वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में राज्यपाल ने प्रशासन, कानून व्यवस्था, आदिवासी क्षेत्रों में केन्द्र एवं राज्य शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति, आपदा प्रबंधन सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी ली। बैठक में अपर मुख्य सचिव, गृह एवं जेल मनोज कुमार पिंगुआ, राज्यपाल के सचिव यशवंत कुमार, उपसचिव हिना अनिमेष नेताम सहित गृह विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल डेका ने राज्य में कानून व्यवस्था पर चर्चा करते हुए वामपंथ उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के भौगोलिक स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जो नक्सली समर्पण कर रहें है उन्हें समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए उपाय करेंऔर प्राथमिकता से उन्हें आश्रय उपलब्ध कराया जाये। इन क्षेत्रों के लोगों को केन्द्र एवं राज्य शासन की शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाये। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक रूप से संचार व्यवस्था की जाए ताकि यहां के निवासी दूसरे क्षेत्रों के विकास एवं गतिविधियों के बारे में जान सकें।

जुनेजा ने पिछले पांच वर्षो में राज्य में होने वाले बड़ी घटनाओं का संक्षिप्त विवरण दिया। राज्यपाल ने मानव तस्करी रोकने के लिए किए गए उपायों, नये न्याय अधिनियम लागू करने के लिए पुलिस द्वारा की गई तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पुलिस को शारीरिक रूप से चुस्त रहना चाहिए और जनता से मित्रवत् व्यवहार करना चाहिए। पुलिस विभाग में लंबे समय तक पद खाली न रहें और रिक्त पदों पर भर्ती त्वरित रूप से होना चाहिए।

जागरूकता कार्यक्रम में छात्राओं के साथ अध्यापकों ने लिया साइबर सुरक्षा की शपथ

रायगढ़। एसपी दिव्यांग कुमार पटेल के दिशा निर्देशन पर साइबर जागरूकता को लेकर नियमित रूप से जिले के विभिन्न थानाक्षेत्र अंतर्गत जागरूकता आयोजित किये जा रहे हैं । इसी कड़ी में आज पूंजीपथरा पुलिस द्वारा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तराईमाल में आयोजित सायबर जनजागरूकता कार्यक्रम में साइबर सेल डीएसपी अभिनव उपाध्याय, डीएसपी अमन लखीसरानी, थाना प्रभारी पूंजीपथरा निरीक्षक राकेश मिश्रा, साइबर एक्सपर्ट प्रधान आरक्षक दुर्गेश सिंह ने स्कूली छात्राओं को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया।

इस अवसर पर डीएसपी अभिनव उपाध्याय ने छात्राओं को नवीन कानूनों की संक्षित रूप में जानकारी दी गई तथा इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के महत्वपूर्ण टिप्स दिए और ऑनलाइन धोखाधड़ी, हैकिंग, साइबर बुलिंग, यूपीआई फ्रॉड, प्रोफाइल हैकिंग, ट्रेडिंग फ्रॉड आदि के बारे में जानकारी दी। छात्राओं को डेमो देकर सोशल मीडिया प्रोफाइल सुरक्षित रखने हेतु सेटिंग से प्रोफाइल लॉक और प्राइवेसी सेटिंग तथा व्हाट्सएप में टू स्टेप वेरीफिकेशन बताया गया।

डीएसपी अभिनव ने छात्राओं को ऑनलाइन संपर्क में अनजान लोगों से सावधानी बरतने का सुझाव दिया और बताया कि साइबर अपराध होने पर सजगता दिखायें साइबर हेल्प नंबर1930 या छत्तीसगढ़ पुलिस साइबर पुलिस पोर्टल में शिकायत दर्ज करें, नजदीकी थाने पुलिस से सहायता प्राप्त करें। डीएसपी अभिनव ने छात्राओं को बताया कि डिजिटल युग में जागरूक नागरिक बनना है, ताकि वे इंटरनेट का उपयोग सुरक्षित रूप से कर सकें और किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी का शिकार न बनें।

थाना प्रभारी राकेश मिश्रा ने छात्राओं को छेड़खानी जैसे घटनाओं को बिना दबाए पुलिस से मदद लेने कहा। पुलिस की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर डायल 112, थाना प्रभारी पूंजीपथरा मोबाइल नंबर की कार्यक्रम के अंत में डीएसपी अभिनव उपाध्याय द्वारा कार्यक्रम में मौजूद, छात्राओं, अध्यापकों और स्थनीय जनप्रतिनिधियों को साइबर फ्रॉड से बचाने 07 बिंदुओं पर साइबर सुरक्षा शपथ दिलाया गया ।

तिरंगा यात्रा राष्ट्र निर्माण की पुनर्जागरण की बेला –साय

राजनांदगांव। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर भाजयुमो द्वारा राजनांदगांव में रविवार को जिला भाजपा के नेतृत्व में विधानसभा स्तरीय तिरंगा यात्रा नए बस स्टैंड से निकाली गई। तिरंगा यात्रा को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं सांसद संतोष पांडे ने झंडी दिखाकर रवाना किया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं डॉ. रमन सिंह का जोशीला स्वागत किया। स्वागत अभिनंदन में जिला अध्यक्ष रमेश पटेल, खूबचंद पारख, मधुसूदन यादव, संतोष अग्रवाल, सचिन बघेल, भरत वर्मा, दिनेश गांधी, नीलू शर्मा, रविंद्र वैष्णव, मूलचंद लोधी, मोनू बहादुर सिंह, गोलू सूर्यवंशी सहित मातृशक्ति एवं युवा मोर्चा के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने स्वागत अभिनंदन किया।

प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय एवं डॉ. रमन सिंह ने तिरंगा यात्रा को राष्ट्र निर्माण के पुनर्जागरण की बेला बताते कहा कि देश में स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव चल रहा है, अब समय आ गया है कि हम अपने पूर्वजों की इच्छा के अनुरूप राष्ट्र का निर्माण करें। हम विश्व की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था में शुमार हुए हैं। विकसित भारत के संकल्प को पूरा करना राष्टीयता के पुनर्जागरण के बिना अधूरा है। इसी वजह से तिरंगा यात्रा व घर-घर तिरंगा अभियान इस दिशा में मिल का पत्थर साबित होगा। नए बस स्टैंड से तिरंगा रैली निकलकर देश के आन-बान और स्वाभिमान के जागरण हेतु डीजे की धुन पर भारत माता की जय घोष करते गुरुद्वारा चौक होते हुए मानव मंदिर चौक एवं भारत माता चौक से कामठी लाइन से रामाधीन मार्ग होते हुए नंदई चौक से बसंतपुर स्थित बलदेव प्रसाद मिश्र स्कूल पहुंची, जहां पर तिरंगा रैली का समापन हुआ और युवा मोर्चा के अध्यक्ष मोनू सिंह बहादुरए शहर अध्यक्ष तरुण लहरवानी, अतुल रायजादा ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डॉ. रमन सिंह, खूबचंद पारख, मधुसूदन यादव, सचिन बघेल, नीलू शर्मा, तरुण लहरवानी, भावेश बैद, गगन आईच, किशुन यदु, बंटी लाल, ऋषभ देवांगन, राजेश अग्रवाल, रमेश पटेल, मधु बैद, पारूल जैन, दुर्गेश यादव, अलोक बिंदल, शिव वर्मा, राजा माखीजा, शेखर यादव, राधेश्याम गुप्ता, शरद सिन्हा, मिथलेश्वरी वैष्णव, मोनू बहादुर सिंह, गोलू सूर्यवंशी, चिंटू सोनकर, शिवम यादव उपस्थित थे।

विकास कार्यों के नाम पर 90 लाख की बंदरबांट

वसूली शुरू, सरपंच-सचिव में मचा हड़कम्प

पाली। ब्लॉक पाली में आने वाले ग्राम डोंगानाला में तिन सचिवों जगदीश टेकाम, रामकुमार टेकाम और अजय कुर्रे ने किया जबरजस्त काम गांव के विकास के लिए शासन द्वारा विभिन्न मदो में लाखो की राशि स्वीकृत किया जाता है। जिसका उपयोग विकास के लिए किया जाता है। लेकिन ब्लॉक पाली के सचिवों के द्वारा राशि का दुरूपयोग किया गया है। दुरूपयोग कर लेने के बाद पंचायतों में आवश्यक विकास कार्यों को न कराते हुए राशि की बंदरबांट किया गया। गबन कर लेने के मामले में जिला कलेक्टर ने तुरन्त संज्ञान में लिया। उन्होंने पिछले दिनों बैठक लेकर स्पष्ट निर्देश दिए थे,कि ऐसे सरपंच व सचिवों की सूची 15 दिन के भीतर एसडीएम को सौप दिया जाए ताकि उनसे वसूली व कार्रवाई किया जाए।

इस आदेश के बाद भ्रष्ट सरपंच - सचिवों में हडकंप मची हुई है ।जनपदों से उनके नाम की सूची एसडीएम को भेजनें की काम चालू किया जा चुका है। इसी कड़ी में पाली जनपद सीईओ के द्वारा सूची पाली एसडीएम को प्रेषित किया गया है। जनपद पंचायत पाली के अंतर्गत कुल 12 भूतपूर्व एवं वर्तमान पंचायत के पदाधिकारियों की सूची दिया गया है। वित्तीय अनियमितता के कारण राशि की वसूली का प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाली को छ.ग.पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा (92) के तहत वसूली हेतु प्रेषित किया गया है ।जनपद पंचायत पाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत बुड़बुड़ की सरपंच संतोषी बिंझवार,सचिव परदेशी राम टेकाम से मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना के तहत 5 सी सी रोड निर्माण में 8 लाख 29 हजार 589 रुपये,बतरा के सरपंच रामसिंह मरावी,सचिव संतोष जगत से मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना अंतर्गत 4 सीसी रोड निर्माण में 2 लाख 3 हजार 283 रुपए,करतली पंचायत के सरपंच जयनंद सलाम,सचिव छत्तर सिंह जगत से मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना अंतर्गत 8 सीसी रोड निर्माण में 4 लाख 62 हजार 510 रुपए,पोलमी सरपंच रामकुमार नेटी,सचिव चंद्रभान सिंह श्याम से मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना अंतर्गत 4 सीसी रोड निर्माण में 2 लाख 60 हजार 893 रुपए अधिक भुगतान में से शेष वसूली 1 लाख 35 हजार 893 रुपए, पोड़ी सरपंच श्रीमती मालती राज, सचिव मोहनचंद्र कौशिक से पंचायत राज अधिनियम की धारा (92) के तहत वसूली 32 लाख 86 हजार 972 रुपए, जेमरा सरपंच राजकुमार जगत,सचिव निर्मल दास मानिकपुरी से फर्जी तरीके से राशि आहरण कर गबन पर 7 लाख 28 हजार 5 सौ रुपए वसूली किया जाना है।

14 वें-15 वें वित्त मद का किया गया दुरुपयोग

इसी तरह डोंगानाला सरपंच श्रीमती पत्रिका खुरसेंगा, सचिव रामकुमार टेकाम,अजय कुर्रे, जगदीश टेकाम से 14 वें 15 वें वित्त मद की राशि आहरण कर दुरूपयोग पर 20 लाख 69 हजार 932 रुपए का गबन किया। कोरबी सरपंच श्रीमती बुधराज, सचिव गिरिश कुमार द्वारा डीएमएफ से 4 आंगनबाड़ी भवन ग्राम धौंराभांठा,गोंडपारा, ठाकुर पारा,पटेल पारा में कार्य अप्रारंभ व राशि दुरूपयोग पर कुल 10 लाख रुपए व मुड़ापार सरपंच श्रीमती विजय कुमार,सचिव श्रीमती संतोषी आनंद से मंगरिहापारा में आंगनबाड़ी भवन निर्माण राशि दुरूपयोग पर 2.50 लाख रुपए की वसूली किया जाएगा।

डीजीपी बने रहेंगे अशोक जुनेजा

रायपुर। राज्य में नए डीजीपी की नियुक्ति की अटकलों के बीच खबर आ रही है कि राज्य सरकार डीजीपी अशोक जुनेजा के कार्यकाल में बढ़ोतरी कर सकती है. उच्च पदस्थ सूत्र बताते हैं कि सरकार जुनेजा को छह माह का एक्सटेंशन दिए जाने पर विचार कर रही है. चर्चा कहती है कि एक्सटेंशन दिए जाने की मंजूरी के लिए राज्य सरकार केंद्र सरकार को चिट्ठी लिखने की तैयारी कर रही है. एक्सटेंशन दिए जाने के राज्य के प्रस्ताव पर केंद्र सरकार की मंजूरी अनिवार्य है. डीजीपी के तौर पर अशोक जुनेजा का कार्यकाल 5 अगस्त को खत्म हो रहा है. 5 अगस्त 2022 को उन्हें पूर्णकालिक डीजीपी बनाया गया था. सूत्र बताते हैं कि गृह विभाग ने नए डीजीपी के लिए नामों का पैनल केंद्र सरकार को भेजने की तैयारी कर ली थी. पैनल में भेजे गए नामों में से किसी एक नाम पर केंद्र सरकार की मुहर लगती. इन नामों में अरुण देव गौतम और हिमांशु गुप्ता के नाम प्रमुख रूप से शामिल थे.

40 हजार स्कूली बच्चों को मिड डे मिल के पहले मिला नाश्ता

कोरबा। उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन के विशेष प्रयास से सोमवार से शासकीय स्कूलों में बच्चों को मिड डे मील से पहले पौष्टिक नाश्ता भी मिलने जा रहा है। इसकी शुरुआत सोमवार से होने जा रही है।

एनटीपीसी जमनीपाली स्थित शासकीय प्राथमिक और माध्यमिक शाला में आयोजित पोषण आहार नाश्ता के शुभारंभ कार्यक्रम में प्रदेश के वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन शामिल होंगे।

पहले चरण में इस योजना का लाभ कोरबा विधानसभा और पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक में योजना की शुरुआत की जा रही है। गौरतलब है की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मिड डे मील के साथ सरकारी या सहायता प्राप्त स्कूलों में बच्चों को नाश्ता मुफ्त मुहैया कराने का प्रावधान रखने का भी प्रस्ताव है। इसके तहत स्कूली बच्चों को स्कूल पहुंचते ही पोषक तत्वों से भरपूर नाश्ता दिया जाना है। इसकी शुरूवात प्रदेश में कोरबा जिले से होने जा रही है।

पिछले महीने मंत्री श्री देवांगन ने इस विषय में जिला प्रशासन को पत्र भी लिखा था। अब 40 हजार से अधिक बच्चों को इस योजना का लाभ मिलने जा रहा है।।

इस योजना की शुरूवात होने से स्कूल के बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास और भी तेजी से हो सकेगा। पहले चरण में पोड़ी उपरोड़ा विकास खंड के 409 प्राथमिक और 141 पूर्व माध्यमिक,कोरबा विधानसभा के अंतर्गत कोरबा विकास खंड के 71 प्राथमिक, 38 पूर्व माध्यमिक,कटघोरा विकास खंड के 45 प्राथमिक और 16 पूर्व माध्यमिक शाला में योजना की शुरूवात हो रहा है।

जीपीएम जिले की गौरव बनी ज्योति पाल

राष्ट्रीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में ज्योति पाल आमंत्रित

रायपुर। जीपीएम जिले के लिए यह गौरव की बात है कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान की सदस्य श्रीमती ज्योति पाल को राष्ट्रीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। ज्योति पाल स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर से विमान से आज नई दिल्ली के लिए प्रस्थान की है। कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी के मार्गदर्शन और परियोजना निदेशक श्री कौशल प्रसाद तेंदुलकर के नेतृत्व में आकांक्षी ब्लॉक गौरेला के ग्राम कोरजा की ज्योति पाल को 78 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह नई दिल्ली में आमंत्रित किया गया है। श्रीमती ज्योति पाल आयुषी स्व-सहायता समूह से जुड़ी हैं और चक्रीय निधि राशि एवं बैंक ऋण लेकर बकरी पालन का व्यवसाय करती हैं। साल भर में इस व्यवसाय से लगभग एक लाख बीस हजार रुपए आमदनी हो जाती है।

अंतर्राज्यीय शातिर चोर गिरफ्तार, भरे बाजार में की थी चांदी के गहने से भरे पेटी और लाखों कैश की सेंधमारी

कांकेर. जिला पुलिस ने अंतर्राज्यीय शातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया है. चोर ने माकड़ी के साप्ताहिक बाजार से लाखों रुपए के जेवरात चोरी किये थे. इस घटना की शिकायत और क्षेत्र में बढ़ रहे चोरी के मामलों को देखते हुए पुलिस और सायबर सेल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मुखबिर की मदद से आरोपी को धर दबोचा है. इसके साथ ही आरोपी के कब्जे से लगभग साढ़े चार लाख रुपये का कुल जुमला बरामद किया है.

जानकारी के अनुसार, कोण्डागांव के साकिन मरारपारा निवासी विक्की कुमार (38 वर्ष), सोनी पिता हीरालाल सोनी ने 10 अप्रैल को माकड़ी थाना में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी. रिपोर्ट के अनुसार विक्की ने 9 अप्रैल 2024 को उसने माकड़ी के साप्ताहिक बाजार में सोना चांदी का (ज्वेलरी) दुकान लगाया था. दिनभर व्यापार करने के बाद शाम 5 बजे घर जाने के लिए सोने एवं चांदी के जेवर को समेट कर 2 लोहे की पेटी में रखा और दोनों पेटियों को कार के डिक्की मे रखने के लिए अपने नौकर सुखराम को भेजा. सुखराम ने पहले जेवरात से भरे पेटी को डिक्की में रखा, फिर जेवर दिखाने वाली प्लेट को डिक्की में डालने गया, तो देखा कि एक पेटी जिसमें 3 लाख कीमती लगभग 6 किलो चांदी के जेवर थे, वह गायब था.

घटना की शिकायत पर माकड़ी थाना पुलिस ने धारा 379 भादवि चोरी का प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी. पुलिस अधीक्षक वाय. अक्षय कुमार के निर्देशन से माकड़ी थाना पुलिस और सायबर सेल की टीम चोरी के आरोपी को दीगर राज्य उड़ीसा, आंध्रप्रदेश और राज्य के अन्य जिलों में लगातार तलाश रही थी. इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी अपने साथी को जेल से छुडाने व सामान खपाने के लिए जयपुर की ओर जाने वाला है. सूचना मिलते ही पुलिस ने रेड कार्यवाही कर चोरी के आरोपी को धर दबोजा और उसके कब्जे से 02 किलो चांदी, 400 ग्राम चांदी के बर्तन, 02 नग छोटी मुर्ति, 05 नग चादी नुमा बडी मुर्तियॉ , 01 नग मोटर सायकल कुल जुमला 4,50,000 रूपये (साढ़े चार लाख रुपये कीमती चोरी का सामान और नगदी) बरामद किया.

आरोपी की पहचानङ्क सुर्दषन प्रधान (45 वर्ष), पिता- स्व. रत्नाकर प्रधान, जाति पोतरिया प्रधान, ग्राम- दसमनिया, ग्राम पंचायत- मनतिरा, थाना मोईथान, जिला- जाजपुर उड़िसा

3 सब रजिस्ट्रार निलंबित, भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी रहेगा मुहिम

रायपुर। पंजीयन कार्य में भ्रष्टाचार करने वाले 03 अधिकारियों पर निलंबन की गाज गिरी है। रायपुर,धमतरी और पाटन के सब रजिस्ट्रार को निलंबित किया गया है। इसका आदेश महानिरीक्षक पंजीयन विभाग ने जारी किया। पंजीयन विभाग की ओर से जारी आदेश के मुताबिक रायपुर कार्यालय में पदस्थ मंजूषा मिश्रा, धमतरी कार्यालय में पदस्थ सुशील देहारी,पाटन कार्यालय में पदस्थ शशिकांता पात्रे को निलंबित किया गया है।

जारी रहेगा भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम

वाणिज्यिक कर (पंजीयन) विभाग के विभागीय मंत्री ओ.पी. चौधरी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा शासकीय कार्य में नहीं होनी चाहिए और विभाग में भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

विभाग के कुछ अधिकारी चुनिन्दा लोगों के साथ मिलकर गलत पंजीयन कर भ्रष्टाचार में लिप्त पाए गए,जिससे शासन को राजस्व की हानि हुई है, ऐसे अधिकारियों के विरूद्ध निलंबन की कार्रवाई की गई है ।राज्य में सुशासन स्थापित करने जांच की कार्रवाई निरंतर चलती रहेगा,भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाए जाने का कार्य जारी रहेगा। जो भी अधिकारी,कर्मचारी भ्रष्टाचार की गतिविधियों में संलिप्त पाए जाएंगे उन पर कठोर से कठोर कार्रवाई किए जाएगें।

साहू समाज हर क्षेत्र में अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहा है - साव

उप मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ साहू अधिकारी-कर्मचारी सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में हुए शामिल

रायपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव आज छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू अधिकारी-कर्मचारी सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में अपने उत्कृष्ट कार्यों से साहू समाज का नाम रोशन करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि साहू समाज सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। हमारा समाज हर क्षेत्र में अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहा है। छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा समाज होने के नाते सभी समाजों को साथ लेकर चलने की जिम्मेदारी भी हमारी है। उन्होंने पहली बार आयोजित प्रदेश साहू अधिकारी-कर्मचारी सम्मेलन एवं सम्मान समारोह को ऐतिहासिक एवं गरिमामय बताते हुए इसके आयोजन के लिए समाज के पदाधिकारियों को बधाई दी।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि साहू समाज को और ज्यादा संगठित होकर सही नेतृत्व के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। हमारे समाज की प्रतिभाओं को प्रदेश और देश की प्रतिभा बनाने की जिम्मेदारी समाज की है। साहू समाज को नई सोच और जज्बे के साथ आगे बढ़ना है। उन्होंने समाज के संगठन में महिला और युवा प्रकोष्ठ के साथ ही अन्य प्रकोष्ठों के गठन पर जोर दिया।

छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के अध्यक्ष श्री टहल सिंह साहू ने कहा कि समाज के अधिकारी-कर्मचारी बुद्धिजीवी वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं। समाज को सही दिशा दिखाने का दायित्व बुद्धिजीवी वर्ग का है। साहू समाज ने पिछले कुछ वर्षों में सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए सार्थक कदम उठाए हैं। हमें आगे भी इसे जारी रखना है। सामाजिक संगठन में योग्य लोगों की सहभागिता बढ़ाने के लिए हमारी निर्वाचन प्रणाली को बदलने की जरूरत है। उन्होंने प्रदेश में साहू समाज के लोगों की सही संख्या का पता लगाने साहू समाज द्वारा सामाजिक जनगणना का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि हमारे समाज को ऐसा काम करना है जिसका अनुसरण अन्य समाज भी करे।

छत्तीसगढ़ में बढ़े डॉग बाइट के मामल-मानव अधिकार आयोग ने जारी किया आंकड़ा

प्रदेश में 1 लाख 19 हजार 928 लोगों को कुत्तों ने बनाया शिकार, राजधानी में सबसे ज्यादा

रायपुर में डॉग बाइट के मामलों की संख्या सबसे अधिक

आयोग के जारी आंकड़ों के अनुसार, कुत्तों के काटने के सबसे ज्यादा मामले रायपुर में सामने आए हैं. 1 लाख 19 हजार 928 मामलों में 15 हजार 953 मामले प्रदेश की राजधानी से है. शहर में आवारा कुत्तों की नसबंदी और एंटी रेबीज टीका लगाने की जिम्मेदारी निगम की होती है. लेकिन ये जानकार हैरानी होगी कि पूरे रायपुर शहर में कुत्तों की नसबंदी के लिए केवल एक ही डॉग सेंटर है. जहां रोजाना केवल 15 से 20 कुत्तों की ही नसबंदी की जाती है और महीने में करीब 450 आवार कुत्तों की नसबंदी होती है. कुत्तों के संख्या की जानकारी जरूर उपलब्ध होती है लेकिन हर साल कुत्तों के ब्रीडिंग से बढ़ती संख्या के आकड़े किसी के पास नहीं है, न ही इसके लिए कोई सर्वे कराया जाता है. ऐसे में हर साल नसबंदी अभियान से सिर्फ लगभग 6 हजार कुत्तों की ही नसबंदी होती है और नसबंदी धीमी होने की वजह से ही कुत्तों के काटने की घटनायें और संख्या भी बढ़ती है.

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य मानव अधिकार आयोग ने प्रदेश में 2023 के दौरान डॉग बाइट (कुत्ते का काटना) के आंकड़े जारी किए हैं. जिसके अनुसार, साल 2023 के 1 जनवरी से लेकर 31 दिसंबर तक प्रदेश में 1 लाख 19 हजार 928 डॉग बाइट के मामले दर्ज हुए हैं. इनमें तीन लोगों की मौत भी हुई है. राजधानी रायपुर में कुत्तों के काटने का आंकड़ा सबसे ज्यादा है. रायपुर में 15 हजार 953 कुत्ते काटने के मामले सामने आए, जबकि दुर्ग में 11 हजार 84 और बिलासपुर में 12 हजार 301 मामले सामने आए हैं.

राज्य मानव अधिकार के कार्यवाहक अध्यक्ष गिरधारी नायक ने प्रेस वार्ता ली. इस दौरान उन्होंने बताया कि पालतू और आवारा पशुओं के काटने से आमजन के स्वास्थ्य का अधिकार प्रभावित हुआ है. जिसपर संज्ञान में लेते हुए आयोग ने पूरे प्रदेश के जिलों से आकड़े मंगवाए और आकड़े चिंताजनक थे. उन्होंने कहा कि साल 2023 में 1 लाख 19 हजार 928 डॉग बाइट के मामले सामने आये है जो मानव जीवन पर आये भयावह संकट को दर्शाता है. गिरधारी नायक ने पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 का उल्लेख करते हुए बताया कि धारा 11 की उपधारा 1 के तहत व्यक्ति द्वारा पशुओं के साथ क्रूरता करने पर दंड के प्रावधान हैं. साथ ही उन्होंने उपधारा 11 (ख) के तहत में आवारा कुत्तों के मानव जीवन के लिए खतरा होने की स्थिति में प्राणहार कक्षों या अन्य ढंग से नष्ट करने के प्रावधान की भी जानकारी दी.

उन्होंने कहा कि नागरिकों का कर्तव्य है कि किसी क्षेत्र में हिंसक या मानव जीवन के लिए खतर बनने वाले कुत्तों की जानकारी तत्काल संबंधित विभागों को दी जाए. साथ ही कुत्तों के काटने पर एंटी रेबीज टीके भी समय पर अनिवार्य रूप से लगाये जाए. उन्होंने बताया कि किसी व्यक्ति द्वारा ऐसे मामलों में मानव अधिकार आयोग का रुख करने पर आयोग की ओर से आवश्यकता पड़ने पर संबंधित विभागों को कार्रवाई के निर्देश भी दिये जाते हैं. डॉग बाइट के मामलों पर चिंता जताते हुए कार्यवाहक अध्यक्ष गिरधारी नायक ने कहा कि डॉग बाइट एक गंभीर विषय है जिससे लोगों को शारीरिक, आर्थिक क्षति से बचाने और डॉग बाइट के मामलों में कमी लाने के लिए हर स्तर पर जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है.

बता दें राज्य मानव अधिकार की ओर से जारी किए गए आकड़े केवल शासकीय अस्पतालों के है..ऐसे में निजी अस्पतालों के अकड़ों को मिलाकर सोचा जाए तो ये संख्या कही और बढ़ती नजर आएगी.

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक- गुलाब दास दीवान, द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. (छ.ग.) भवन, प्रेस काम्पलेक्स रजबंधा मैदान रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ग्राम-पोस्ट-पवनी, तहसील-बिलाईगढ़, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.), 493338 से प्रकाशित। RNI NO. CHHHIN/2022/83778 सम्पादक- गुलाब दास दीवान, मो. 9294743139

News Rutin Aug. 24- Full Size-2.qxd 8/12/2024 8:09 PM Page 3

समूह की दीदियां बना रही सुंदर राखी, भाइयों की कलाई पर सजाएंगी बहने

धान, चावल, रंगीन मोती, स्टोन, ऊन से बना रही हैं राखियां

जांजगीर-चांपा। स्व सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा विभिन्न प्रकार की राखियां तैयार की जा रही हैं। यह राखियां भाइयों के रिश्ते को मजबूत करेंगी। भाई-बहन के रिश्ते का त्यौहार है रक्षाबंधन जो 19 अगस्त को मनाया जाएगा। इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधेगी और पवित्र रिश्ते को मजबूत बनाएगी। इस बंधन को मजबूत बनाने के लिए स्व सहायता समूह की महिलाएं कड़ी मेहनत से गांव-गांव में राखियां तैयार कर रही हैं। यह राखियां धान, चावल, रूद्राक्ष, रंगीन मोती, स्टोन, ऊन से बनाई जा रही है

जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गोकुल रावटे ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) बिहान से जुड़ी स्व सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा राखियां तैयार की जा रही है। स्व सहायता समूह की महिलाओं को लगातार उनके कार्यों के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, प्रशिक्षण दिया जा रहा है और उन्हें जिला एवं जनपद पंचायत स्तर पर स्टाल लगाने दिए जा रहे हैं। समूह की महिलाओं द्वारा पिछले एक माह से लगातार राखियां तैयार की जा रही हैं।

जिले के स्थानीय बाजारों सहित कलेक्ट्रेट कार्यालय में भी लगाया जाएगा स्टॉल

स्व सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा निर्मित राखी एवं स्वतंत्रता दिवस से संबंधित सामग्रियों का विक्रय, प्रदर्शनी जनपद पंचायत, तहसील मुख्यालय, स्थानीय बाजार व जिला बाजार में स्टॉल लगाया जाएगा। इसके साथ ही जिला पंचायत कार्यालय व कलेक्ट्रेट कार्यालय में भी स्टॉल लगाया जाएगा।

रेशम के धागे के साथ ही धान, चावल, मोती, रंगीन धागे का उपयोग

जनपद पंचायत अकलतरा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सोनसरी में बिहान समूह से जुड़ी प्रगति स्व सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा राखियां तैयार की जा रही है। इसके साथ ही बलौदा विकासखंड के ग्राम पंचायत रसौटा के जागृति स्व सहायता समुह की महिलाओं द्वारा एवं अलग-अलग ग्राम पंचायत में समूह की महिलाओं द्वारा घरों में रेशम के धागे, छोटे-बड़े मोती, चावल के दाने, अलग-अलग रंगीन कपड़े, छोटे-छोटे रूद्राक्ष, रंगीन पत्थर आदि को मार्केट से खरीदकर घर में उसे तैयार कर बाजार में बेच रही हैं, इससे उन्हें मुनाफा मिल रहा है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने सुरक्षा ऑडिट समिति का किया गठन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में संचालित सभी कोचिंग सेंटर, स्कूल, कॉलेज, हॉस्टल, हॉस्पिटल, मॉल, सिनेमा घर सहित सभी सार्वजनिक और शैक्षणिक संस्थानों में सुरक्षा ऑडिट के निर्देश सरकार ने जारी किए हैं। इसके लिए शहरी क्षेत्रों में सुरक्षा ऑडिट समिति बनाने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार की तरफ से जारी निर्देश में ऑडिट की प्रक्रिया 1 महीने में पूरी करके रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है। बता दें कि दिल्ली के एक कोचिंग सेंटर में बारिश का पानी भरने की वजह से वहां फंसे 3 छात्रों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद से पूरे देश में कोचिंग सेंटरों की जांच पड़ताल की जा रही है।

नियम विरुद्ध राशि निकालने पर सरपंच बर्खास्त 6 वर्षों के लिए चुनाव से अयोग्य घोषित

मामला जनपद पंचायत बलौदाबाजार अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहतरा का

बलौदाबाजार। सरपंच ईश्वरी साहू को छत्तीसगढ़ पंचायती राज अधिनियम 1993 की धारा 40(1) के प्रावधानों के तहत तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया गया है. सरपंच पर बिना पंचायत प्रस्ताव के 3 लाख 34 हजार 500 रुपये का आहरण करने का आरोप सिद्ध हुआ है. इसके साथ ही उन्हें छत्तीसगढ़ पंचायती राज अधिनियम 1993 की धारा 40(2) के तहत 6 वर्ष के लिए पंचायत अधिनियम के अधीन निर्वाचन और सहयोजन के लिए निरर्हित घोषित किया गया है. यह मामला जनपद पंचायत बलौदाबाजार अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहतरा का है.

जारी आदेशानुसार ग्राम पंचायत मोहतरा के सरपंच सचिव के विरुद्ध 14 वें एवं 15 वें वित्त की राशि का दुरूपयोग करने की शिकायत पर जनपद पंचायत बलौदाबाजार के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा जाँच दल गठित कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया जिसमें ग्राम पंचायत मोहतरा की सरपंच श्रीमती ईश्वरी साहू द्वारा ग्राम पंचायत में सार्वजनिक शौचालय निर्माण, अहाता निर्माण, गोठान में वर्मी शेड निर्माण, हैंडपंप मरम्मत, पेयजल, स्वच्छता कार्यक्रम कार्यों का भुगतान स्वयं और अपने पति तथा बिना पंचायत प्रस्ताव के 3 लाख 34 हजार 500 रूपये आहरण किया गया.

सरपंच ग्राम पंचायत मोहतरा द्वारा छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 के अधीन छत्तीसगढ़ पंचायत लेखा नियम 1999 के प्रावधानो का पालन न कर अपने कर्तव्यों के निर्वहन में घोर लापरवाही बरती गई जिसके कारण वह अपने कर्तव्य के निर्वहन में अवचार के दोषी और उनका पद पर बना रहना लोकहित में अवांछनीय है. उक्त जांच प्रतिवेदन के आधार पर एसडीएम द्वारा सरपंच ग्राम पंचायत मोहतरा ईश्वर साहू को छत्तीसगढ़ पंचायती राज अधिनियम 1993 की धारा 40 (1) के प्रावधानो के तहत तत्काल प्रभाव से पृथक कर दिया है.

राष्ट्रीय ध्वज फहराकर करें गर्व व एकता का अनुभव- कलेक्टर

राजनांदगांव। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज आजादी का अमृत महोत्सव अंतर्गत 9 अगस्त से 15 अगस्त 2024 तक आयोजित हर घर तिरंगा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कलेक्टोरेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक ली।

कलेक्टर ने कहा कि भारतीय ध्वज तिरंगा राष्ट्र का प्रतीक है। इस गौरव को संवर्धित करने के लिए आजादी का अमृत महोत्सव अंतर्गत 9 अगस्त से 15 अगस्त 2024 तक आयोजित हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके अंतर्गत सभी भारतीय नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज अपने घर पर फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि आम जन में देशभक्ति की भावना विकसित हो तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान में वृद्धि हो। जिले में इसके लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि 9 अगस्त को तिरंगा रैली का आयोजन रामकृष्ण नगर से दोपहर 2.30 बजे विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की उपस्थिति में किया जाना है। 10 अगस्त को स्कूल एवं महाविद्यालयों में तिरंगा यात्रा का आयोजन, 12 अगस्त को स्कूलों में तिरंगा कॉन्सर्ट्स एवं 13 अगस्त को महाविद्यालयों में तिरंगा कॉन्सर्ट्स का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आवश्यक तैयारी करने के दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम के लिए वेबसाईट में सोशल मीडिया का उपयोग कर जागरूकता लाई जा रही है। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा अंतर्गत युवा, वृद्ध, पुरूष, महिलाएं सभी शामिल हो सकते हैं और राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान कर सकते है। जिससे राष्ट्रीय गर्व एवं एकता का अनुभव हो। उन्होंने कहा कि पोस्ट ऑफिस में तिरंगे झंडे उपलब्ध रहेंगे, इसके साथ ही समूह की महिलाओं द्वारा तिरंगा झंडा बनाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में जिले के नागरिकों की व्यापक सहभागिता होनी चाहिए। उन्होंने तिरंगा रैली, तिरंगा मैराथन, तिरंगा कॉन्सर्ट्स, तिरंगा कैनवास, तिरंगा प्रतिज्ञा, तिरंगा सेल्फी, तिरंगा सम्मान एवं तिरंगा मेला के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की।

बलौदाबाजार में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

बलौदाबाजार । जिले के कलेक्टोरेट परिसर में शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर दीपक सोनी तथा आदिवासी समाज के पदाधिकारियों ने बड़ा देव की पूजा- अर्चना किया तथा शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। कार्यक्रम में आदिवासी समाज के लोग पारम्परिक परिधान एवं वेश- भूषा के साथ शामिल हुए।

इस दौरान मल्लखम्भ प्रशिक्षण के 20 प्रतिभागियों को ड्रेस किट का वितरण किया गया। इसके साथ ही नि:शुल्क पौधा वितरण भी किया गया।

कलेक्टर सोनी ने विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनायें देते हुए कहा कि ऐसे अवसर एक दूसरे के साथ जुडने व जानने समझने के लिए होता है। एक दूसरे से जुड़ेंगे तो समाज के बारे में जानकारी मिलेगी, समस्या या सुझाव मिलेंगे जिससे समाज की बेहतरी के लिए रास्ते निकलेंगे। उन्होंने कहा कि अपनी समस्या या बात रखने में संकोच न हो। अपनी बोली भाषा में भी बिना झिझक के समस्या या सुझाव के बारे में बता सकते हैं। समाज के विकास के लिए नवाचार पहल होनी चाहिए जिससे प्रशासन के सहयोग से आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने बताया कि जिले में मल्लखम्ब खेल प्रशिक्षण की शुरुआत हुई है।

1 करोड़, 33 लाख से अधिक का गबन करने वाले दो बैंक कर्मी गिरफ्तार

बलरामपुर। जिले के जिला सहाकारी केन्दीय बैंक रामानुजगंज में एक करोड़ 33 लाख रुपये से अधिक का गबन कर लिया गया। आर्थिक अनियमितता के इस मामले में बैंक के शाखा प्रबंधक शंकर राम भगत व कर्मचारी विजय उइके व राजेश पाल की संलिप्तता विभागीय जांच में सामने आई है। इनमें से विजय उइके व राजेश पाल को गिरफ्तार कर पुलिस ने न्यायालय के निर्देश पर जेल भेज दिया है।

बैंक की राशि की हेराफेरी के मामले में कंप्यूटर आपरेटर पंकज विश्वास की भी मिलीभगत सामने आई है। उसने अपने फर्म के अलावा अपने भाई मनोज विश्वास तथा एक अन्य परिचित के खाते में बैंक की राशि अंतरित की थी लेकिन इनके विरुद्ध अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। विभागीय जांच प्रतिवेदन में उल्लेखित है कि शंकर राम भगत शाखा प्रबंधक, विजय उइके तथा राजेश पाल के द्वारा शाखा रामानुजगंज में पदस्थापना के दौरान शासकीय राशि का गलत तरीके से अन्य खातों में स्थानांतरण कर कुल एक करोड़ 33 लाख 58 हजार 689 रूपये का गबन किया गया है।

जानकारी के अनुसार जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रामानुजगंज में आर्थिक अनियमितता की शिकायत सामने आई थी। इसी शिकायत को आधार बनाकर प्रबंधन ने जांच कराई। जांच में पता चला कि किसान क्रेडिट कार्ड के अलावा समितियों को मिलने वाली राशि को निजी खातों में अंतरित कर गड़बड़ी की गई है। मनोज विश्वास नामक ग्राहक के खाता में चार बार में क्रमश: तिरसठ लाख ब्यासी हजार सात सौ सत्रह रुपये, छह लाख नब्बे हजार रुपये, पांच लाख चौरानब्बे हजार तीन सौ छियासी रुपये तथा नौ लाख तीन हजार दो सौ बीस रुपये फर्जी तरीके से समायोजन किया गया है। इसी प्रकार देव आशीष सिकदार के खाता में दो बार मे क्रमश: दो लाख सत्तर हजार रुपये व एक लाख पचपन हजार अन्ठावन रुपये फर्जी तरीके से समायोजन किया गया है। राधे ट्रेडर्स (प्रोपराईटर पंकज विश्वास) के खाता में सात लाख चौतीस हजार सात सौ चौहत्तर रुपये फर्जी तरीके से राशि समायोजन किया गया है। इस खाते का संचालन पंकज विश्वास द्वारा किया जा रहा है, जो शाखा रामानुजगंज में कम्प्यूटर आपरेटर का कार्य कर रहा था।

3 साल से बंद रायगढ़ मेडिकल कॉलेज की ब्लड सेपरेटर मशीन फिर से शुरू

ओपी चौधरी की संवेदनशील पहल

रायगढ़ । वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने रायगढ़ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में तीन साल से बंद पड़ी ब्लड सेपरेटर मशीन को फिर से चालू करने के लिए संवेदनशील पहल की है। यह मशीन डेंगू और अन्य गंभीर बीमारियों के इलाज में बेहद जरूरी है, क्योंकि यह रक्त के विभिन्न हिस्सों की जांच और प्रोसेसिंग में मदद करती है। चौधरी ने इस समस्या की गंभीरता को समझते हुए जिले के कलेक्टर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मिलकर इस मुद्दे पर चर्चा की। उनके सक्रिय प्रयासों के बाद, अब यह मशीन पूरी तरह से कार्यशील हो गई है, जिससे ब्लड बैंक की सेवाओं की गुणवत्ता और तत्परता में सुधार होगा। इससे मरीजों को समय पर और उचित स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

ब्लड सेपरेटर मशीन के पुन: चालू होने से मरीजों को ब्लड कंपोनेंट्स की उपलब्धता में होने वाली समस्याओं का समाधान मिलेगा। इसके अलावा श्री चौधरी ने डेंगू के मरीजों के इलाज के लिए ब्लड कंपोनेंट्स की पर्याप्त और त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देश दिए हैं।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को डेंगू मरीजों की नियमित निगरानी और उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर ध्यान देने के लिए भी कहा है। चौधरी ने डेंगू की रोकथाम के लिए शहर में स्वच्छता अभियान और लार्वा नियंत्रण के उपायों पर विशेष ध्यान देने की बात भी की है। इससे न केवल डेंगू के प्रसार को रोका जा सकेगा, बल्कि शहर की स्वच्छता भी बनी रहेगी। इस पहल से रायगढ़ जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार होगा और स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध मिलेगी

लाइसेंस समाप्त होने पर भी फर्शी पत्थर का भंडारण ?

महासमुंद। ग्राम पंचायत बेलसोंडा में क्रेशर मालिक द्वारा अवैध तरीके से खनिज पत्थर का भंडारण किया जा रहा था जबकि, कलेक्टर प्रभात मलिक फरवरी में ही अनुज्ञा शर्तों का उल्लंघन करने पर अस्थायी भंडार अनुज्ञा को निरस्त करने का आदेश दे चुके हैं। इस संबंध में खनिज विभाग ने ग्राम पंचायत को कार्रवाई की प्रतिलिपि भी उपलब्ध नहीं कराई है। इस मामले की शिकायत बेलसोंडा में ही संचालित आइसक्रीम कारोबारी नीरज सिंह बिसेन ने की थी। उन्होंने बताया कि उनके फैक्ट्री के पीछे क्रेशर संचालक लाइसेंस निरस्त होने के बाद भी खनिज पत्थर का भंडारण कर रहा है। इसके पहले वहां अनुज्ञा शर्तों का उल्लंघन करते हुए क्रेशर संचालित किया जा रहा था। जिससे आसपास प्रदूषण बढ़ गया था। क्रेशर के आसपास सांस लेने में लोगों को तकलीफ हो रही थी। इसकी पीएमओ में शिकायत होने के बाद कलेक्टर के आदेश पर खनिज विभाग ने क्रेशर का निरीक्षण किया तो आरोप सही साबित हुए। इसके बाद खनिज पत्थर के भंडारण पर फरवरी में निरस्तीकरण आदेश जारी किया गया। लेकिन, उसके बाद भी क्रेशर में पत्थरों का भंडारण जारी है। महीनेभर हर दूसरे दिन दर्जन भर हाईवा के जरिए पत्थरों का भंडारण किया जा रहा है। इस पूरे मामले में खनिज विभाग का संरक्षण प्राप्त है। खनिज विभाग सीधे तौर पर कार्रवाई करने से बच रहा है। इस मामले में पीएमओ और कलेक्टर के हस्ताक्षेप के बाद कार्रवाई हो सकी जबकि, खनिज विभाग स्वयं संज्ञान लेकर इस मामले में कार्रवाई कर सकता था।

इस पूरे मामले में जिला खनिज अधिकारी एसके साहू ने कहा कि अवैध भंडारण का लाइसेंस निरस्त कर दिया गया है। क्रेशर भी बंद है। वहां जो पत्थर डंप किए जा रहे हैं वह फर्शी पत्थर है जिसे डंप किया जा सकता है। विभाग नजर बनाए हुए हैं। गड़बड़ी मिली जो कार्रवाई होगी।

बेलसोंडा सरपंच प्रतिनिधि पोखन चंद्राकर ने कहा कि खनिज विभाग ने क्रेशर खदान में पत्थरों के भंडारण का लाइसेंस निरस्त किया है। आदेश की प्रतिलिपि ग्राम पंचायत को देनी चाहिए, लेकिन खनिज अधिकारी ने कॉपी नहीं दी है।

सरपंच व बच्चों द्वारा सड़क पर धान रोप कर गांधी-गीरी

बाबनकेरा-केरामुड़ा मार्ग पर दलदल से नर्क का नजारा

महासमुंद। बावनकेरा से केरामुड़ा मार्ग कीचड़ का दलदल बन गया है। चारपहिया तो दूर दोपहिया वाहन से भी आवाजाही काफी मुश्किल हो गई है। मार्ग की बदतर हालत देखकर बम्बूरडीह सरपंच व स्कूली बच्चों ने सड़क पर ही धान का रोपा लगा दिया है। आजादी के बाद से ग्राम पंचायत बम्बूरडीह को पक्की सड़क नसीब नहीं हो पाई। ग्रामीण भी जनप्रतिनिधि से लेकर अफसरों से सड़क निर्माण के लिए आवेदन निवेदन कर थक चुके हैं। फिर भी सकारात्मक पहल नहीं की गई। इस कारण अनदेखी का दंश झेल रहे ग्रामीण इसी मार्ग से आना-जाना करने मजबूर हैं। वर्तमान में बावनकेरा से रामाडबरी-केरामुड़ा तक मार्ग की हालत बारिश के बाद बदतर हो गई है। इस मार्ग पर आवागमन करना खतरे से खाली नहीं है क्योंकि, कीचड़ के कारण फिसलने का खतरा है।

जानकारी के मुताबिक बावनकेरा से रामाडबरी तक पक्की सड़क के लिए लगभग 2 करोड़ 53 लाख 61 हजार रूपए की स्वीकृति मिली है। अभी तक मुआवजा प्रकरण क्लीयर नहीं होने के कारण सड़क का निर्माण प्रारंभ नहीं हो पाया है। सोमवार को बम्बूरडीह सरपंच ने सड़क की हालत को देखते हुए सड़क पर धान का रोपा लगा दिया। इसके अलावा स्कूली बच्चे भी उनके साथ इस काम में जुट गए। सरपंच शत्रुहन चेलक ने बताया कि आजादी के बाद से गांव के लोग पक्की सड़क को तरस रहे हैं। दो किमी तक सड़क निर्माण के लिए स्वीकृति मिल गई है लेकिन, काम चालू नहीं हुआ है।

विधायक को ज्ञापन देकर सड़क की मांग

पिछले दिनों बम्बूरडीह के सरपंच शत्रुहन चेलक ने महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से रामाडबरी से केरामुड़ा तक डेढ़ किमी लंबी सड़क निर्माण की मांग की। ज्ञापन में बताया कि ग्राम पंचायत बम्बूरडीह के मोहल्ला रामाडबरी से केरामुड़ा तक कच्ची सड़क है। यह सड़क खल्लारी को जोड़ती है। इस मार्ग की लंबाई करीब 1.50 किमी है। जिसे पक्की करने के लिए स्वीकृति प्रदान करने की मांग की। दरअसल, बावनकेरा से 3.50 किमी तक सड़क काफी बदहाल है। लोगों को आवाजाही में समस्या हो रही है।

News Rutin Aug. 24- Full Size-2.qxd 8/12/2024 8:09 PM Page 4

बरसते पानी में ग्रामीणों के बीच पहुँचा जिला प्रशासन

ग्राम सांकरा ज में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर संपन्न, मौके पर 200 आवेदनों का निराकरण

बालोद। बालोद विकासखण्ड के ग्राम सांकरा ज में आयोजित जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर में शामिल होने के लिए कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवालए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉण् संजय कन्नौजे सहित जिला प्रशासन के आला अधिकारियों ने जन प्रतिनिधियों के साथ बरसते पानी में ग्रामीणों के बीच पहुँचकर उनके माँगों एवं समस्याओं से रूबरू हुए। जिसके फलस्वरूप ग्राम सांकरा में आज आयोजित जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर घनघोर बारिश के उपरांत भी सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। ग्राम सांकरा ज में आज आयोजित जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर ग्राम सांकरा ज सहित अंचल वासियों के लिए सौगातों भरा रहा। इस दौरान शिविर में विभिन्न विभागों से प्राप्त कुल 240 आवेदनों में से 200 आवेदनों का मौके पर ही निराकृत किया गया। इस दौरान कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवालए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉण् संजय कन्नौजेए वरिष्ठ जन प्रतिनिधि श्री पवन साहूए जिला पंचायत सदस्य श्रीमती कृतिका साहू एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने अपने माँगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु जन समस्या निवारण शिविर में पहुँचे ग्रामीणों से चर्चा कर उनके समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉण् संजय कन्नौजे ने शिविर में प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर ग्रामीणों के माँगों और समस्याओं के निराकरण के उपायों के संबंध में विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को तलब कर ग्रामीणों के माँगों और समस्याओं को त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। शिविर में अतिथियों के द्वारा समाज कल्याण विभाग के योजना के अंतर्गत दृष्टिबाधित दिव्यांग श्री हरिराम एवं कपिल राम को स्मार्ट फोन प्रदान किया गया। इसके अलावा कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवालए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉण् संजय कन्नौजे एवं अतिथियों के द्वारा नन्हें.मुन्हें बच्चों को गर्म स्वादिष्ट भोजन कराकर उनका अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। इसी तरह 05 बच्चों को सुपोषण किट भी प्रदान किया गया। इसके अलावा गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक भोजन की थाल भेंटकर उनके गोद भराई के रस्म को पूरा किया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने घनघोर बारिश के उपरांत भी जन समस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों एवं जन प्रतिनिधियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बरसते पानी में आप सबकी उपस्थिति पर निश्चित रूप से बहुत ही प्रसंशनीय है। श्री चन्द्रवाल ने पिछले दो.तीन दिनों से राज्य व जिले में अच्छी बारिश होने पर प्रसन्नता भी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अच्छी बारिश होने से इस वर्ष सूखे की स्थिति निर्मित नही होगी।

ढाई साल में बालोद जिले में 77 लोग हो चुके ठगी का शिकार, 44 मामले में 63 ठग गिरफ्तार

बालोद। बालोद जिले में पुलिस के लगातार जागरुकता अभियान चलाने के बाद भी लोग ठगी के शिकार हो रहे हैं। पुलिस विभाग के मुताबिक सबसे ज्यादा ठगी के मामले साइबर क्राइम के आ रहे हैं।

दो साल सात माह में आए ठगी के मामले

साल	प्रकरण	गिरफ्तार	लंबित मामले
2022	31	17	8
2023	21	18	12
2024 जुलाई तक	2	13	17

बालोद जिले में पुलिस के लगातार जागरुकता अभियान चलाने के बाद भी लोग ठगी के शिकार हो रहे हैं। पुलिस विभाग के मुताबिक सबसे ज्यादा ठगी के मामले साइबर क्राइम के आ रहे हैं। कुछ ऐसे मामले आए हैं, जिसमें अपने आप को रेलवे का अधिकारी, मंत्रालय में अधिकारियों, मंत्री एवं बड़े नेताओं से जान पहचान बताकर ठगी कर रहे हैं।

लोग नहीं हो रहे जागरूक

सबसे बड़ी चिंता है कि पुलिस के अभियान के बाद भी लोग जागरूक नहीं हो रहे हैं। बीते दो साल 7 माह में जिले में धोखाधड़ी के कुल 77 मामले सामने आए है। अब तक 44 मामले में कार्रवाई हुई है, जिसमें 63 ठग को गिरफ्तार किए गए। 37 मामले में कार्रवाई लंबित है। कई लोग पीड़ित होकर भी राशि वापस नहीं मिलने की डर से शिकायत नहीं कर रहे हैं।

लगातार आ रहे धोखाधड़ी के मामले को देखते हुए पुलिस ने लोगों को अलर्ट कर अपील कर रही है कि किसी भी प्रकार के झांसे में न आएं। न ही किसी लालच में आए, ठगी करने वालों से सावधान रहें। आपके साथ धोखाधड़ी करने की कोशिश हो या या फिर कर घटना हो गई हो तो तत्काल इसकी जानकारी पुलिस को दें।

25 मामले में 13 ठग हो चुके हैं गिरफ्तार

जिले में 2024 में जनवरी से जुलाई तक के आंकड़े की बात करें तो इन 7 माह में साइबर ठगी व धोखाधड़ी के कुल 25 मामले सामने आ चुके हैं। 25 में से 8 धोखाधड़ी के मामले में 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कुछ मामले अभी लंबित हैं, जिस पर जांच व ठग की तलाश चल रही है।

पुलिस विभाग लगातार चला रहा जागरुकता अभियान

डीएसपी नवनीत कौर ने बताया कि पुलिस विभाग लगातार जागरुकता अभियान चला रहा है। लोगों को ठगी व साइबर क्राइम से बचने के उपाए बताए जा रहे हैं। साइबर प्रहरी नाम से वाट्सऐप ग्रुप बनाकर ग्रामीणों को जोड़कर जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। कुछ लोग ग्रुप से बाहर भी हो रहे हैं। ऐसे में लोगों को जागरूक करने में परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा है।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत शहर में निकाली गई तिरंगा यात्रा

माध्यमिक विद्यालय परिसर से पुराना बस स्टैण्ड तक तिरंगा यात्रा निकाली गई, जिसमें अधिकारी-कर्मचारी, एन.सी.सी. व स्काउट गाइड, पुलिस जवान शामिल हुए। तिरंगा यात्रा में शामिल प्रतिभागियों द्वारा देशभक्ति के नारों के साथ जिले के सभी नागरिकों से अपने-अपने घर में राष्ट्रीय ध्वज फहराने का आह्वान किया गया।

नरहरदेव स्कूल के मैदान में यात्रा की समाप्ति के पश्चात कलेक्टर द्वारा उपस्थित सभी लोगों को तिरंगा के सम्मान की शपथ भी दिलाई गई। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मनीषा ठाकुर, एसडीएम कांकेर श्री अशोक मार्बल, डीएसपी श्री जीएस साव सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

आमजनों से अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने का किया गया आह्वान

उत्तर बस्तर कांकेर। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आमजनों में देश भक्ति की भावना विकसित करने तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान में वृद्धि के उद्देश्य से 09 से 15 अगस्त 2024 तक ''हर घर तिरंगा'' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज कलेक्टर श्री नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के नेतृत्व में जिले के नरहरदेव शासकीय उच्चतर

नशा मुक्त भारत अभियान- 'विकसित भारत मंत्र, भारत हो नशे से स्वतंत्र' का संदेश देने रैली निकाली गई

कलेक्टर ने अधिकारी-कर्मचारियों को दिलाई शपथ

महासमुंद । अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर नशामुक्त भारत अभियान अंतर्गत भारत सरकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा अभियान की चौथी वर्षगांठ के अवसर पर पूर्वान्ह 9:00 बजे विकसित भारत का मंत्र भारत को नशे से स्वतंत्र की थीम पर समस्त विधार्थियों, युवाओं, महिलाओं, कर्मचारी/अधिकारियों एवं जन सामान्य को नशामुक्त की प्रतिज्ञा/शपथ करने का कार्यक्रम केन्द्रीय मंत्री श्री विरेन्द्र सिंह एवं राज्यमंत्री रामदास अठावले भारत सरकार सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय के द्वारा सम्पन्न हुआ।

उक्त कार्यक्रम में भारत देश के समस्त जिले वर्चुअल रूप से जुड़े जिसमें देशभर में 10 हजार स्थानों से कार्यक्रम में वर्चुअल जुड़कर नशा मुक्ति की शपथ ली। आज यहां जिला महासमुन्द के कलेक्टर सभाकक्ष में कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने अधिकारी-कर्मचारियों के साथ नशामुक्ति अभियान में वर्चुअल रूप से जुड़कर भारत सरकार द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करने प्रेरित किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती राशि त्रिभुवन महिलांग भी मौजूद थी। इसके अलावा डिप्टी कलेक्टर श्री मनोज खांडे, उप संचालक समाज कल्याण श्रीमती संगीता सिंह एवं अन्य जिला अधिकारी-कर्मचारी वर्चुवल कार्यक्रम में मौजूद थे। कार्यक्रम के पश्चात शपथ ग्रहण लिया गया। जिसमें समाज को नशे से बचाना, खुद भी नशा नहीं करना और नशे को जड़ से दूर हटाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का शपथ लिया गया।

शपथ ग्रहण के पश्चात रैली के रूप में वन विभाग के वनरक्षक, खेल विभाग से युवा खिलाड़ी, नगर पालिका स्वच्छता दीदी, शिक्षा विभाग एवं स्कूली छात्र छात्राओ सहित समाज कल्याण विभाग के समस्त कर्मचारी सहित कुल 2000 लोगों को शपथ ग्रहण कराया जाकर रैली निकाला गया। रैली के पूर्व रैली मानव श्रृंखला को कलेक्टर श्री लंगेह द्वारा शपथ दिलाया गया। तत्पश्चात हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उक्त कार्यक्रम में जिले के समस्त जनपदों एवं उनके अधीनस्थ समस्त पंचायतों, स्कूलों, कालेजों व नगरीय निकायों तथा समस्त शासकीय कार्यालय में नशामुक्त भारत की शपथ लिया गया।

तंबाकू उत्पाद के उपयोग व बिक्री पर बेलसोंडा में की गई चालानी कार्यवाही

महासमुंद। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत नियंत्रक के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक में दिए गए निर्देशानुसार 8 अगस्त को खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग से औषधि निरीक्षक श्री अखिलेश पांडे, खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती ज्योति भानु के द्वारा कोटपा एक्ट 2003 की धारा 04 में सार्वजनिक स्थानों में धूम्रपान पर प्रतिबंध, 06 अ नाबालिकां के तंबाकू उत्पाद के उपयोग व बिक्री पर प्रतिबंध व धारा 06 व शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पाद की बिक्री पर प्रतिबंध के अंतर्गत ग्राम बेलसोंडा में चालानी कार्यवाही की गई। साथ ही 100 गज के दायरे में आने वाले विद्यालय में प्राचार्य एवं विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में अवगत कराया गया। उक्त कार्यवाही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी. कुदेशिया के निर्देशन एवं सहायक औषधि नियंत्रक डॉ. तृप्ति जैन के मार्गदर्शन में किया गया।

कलेक्टर पहुँचे जनसमस्या निवारण पखवाड़ा शिविर

शिविर में विभिन्न शिकायत एवं समस्याओं से संबंधित 201 आवेदन प्राप्त हुये

बेमेतरा। कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा गुरुवार को स्थानीय नागरिकों की समस्याओं के समाधान हेतु लगाये गये जनसमस्या निवारण शिविर में पहुँचे। जिला मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 9 और10 की स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु शिविर सांस्कृतिक मंच कोबिया में आयोजित था। कलेक्टर ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि स्थानीय नागरिकों की छोटी-छोटी समस्या होती है। जिन्हें दूर किया जाये। स्थानीय नागरिक अपनी-अपने वार्ड की समस्या ले कर आते है, जो इस शिविर में हाल होती है। स्थानीय नागरिक समस्याएं यथा नल कनेक्शन, राशन कार्ड, राष्ट्रीय परिवार सहायता, वृद्धावस्था पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, भवन निर्माण अनुज्ञप्तियां, अनापत्ति प्रमाण पत्र, नामांतरण स्वरोजगार के प्रकरण तथा कई विविध छोटे-छोटे कार्य होते है, जिनका निराकरण शीघ्र अपेक्षित होता है

लोगों की नल लीकेज, नलों में पानी न आना, नालियों/गलियों की सफाई, सार्वजनिक नलों के प्लेटफार्म से पानी बहना, कचरे की सफाई व परिवहन टूटी-फूटी नालियों की मरम्मत, सड़कों के गड्ढे पाटना, स्ट्रीट लाइट के मरकरी/बल्ब/ट्यूब का बंद रहना आदि समस्याएं भी होती है। उन्होंने प्राप्त सभी आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्री शर्मा ने शिविर में सुकन्या समृद्धि योजना अंतर्गत 14 आवेदन मौके पर ही फार्म भराकर खाता खोलने कहा गया। कलेक्टर ने शिविर में अपना ब्लडप्रेशर (बीपी) चेक कराया। लोगों से बातचीत की उनकी समस्याएँ भी सुनी। समस्याओं के समाधान के निर्देश दिये।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री भूपेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि नगर पालिका के अंतर्गत शिविर में मांग और समस्या विद्युत, साफ़-सफ़ाई, उज्ज्वला, पानी निकासी, पट्टा, राशनकार्ड नवनीकरण, महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना पेयजल सहित कुल 201 आवेदन प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि नगर पालिका वार्ड नं. 09 एवं 10 में अधिकांश शिकायतें राशन कार्ड नवनीकरण और नवीन महतारी वंदन हेतु आवेदन योजना वार्ड 09 में कुल 113 आवोदन प्राप्त हुए जिसमें 19 आवेदन मौके पर ही निराकरण किया गया जिसमें प्रथम आवेदन नोहर लाल बघेल उम्र 71 साल के द्वारा दिया गया कि मुझे 01 साल सें पेंशन नहीं मिल रहा है इस पर उनका आधार कार्ड मंगाकर परीक्षण कराया गया । जिसमें नोहर लाल बघेल के खाता क्रमांक 101002829111 जिला सहाकारी केर्न्दीय बैंक अंतिम बार 31 मई 2024 को एक हजार रूपय का संबंधित के खाते में भुगतान होना पाया एवं संबंधित का इसकी जानकारी दी गई।

इसी प्रकार राशन कार्ड नवनीकरण का भी कार्य मौके पर ही किया गया। वार्ड नं. 10 में 88 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें मुख्यत: 27 राशन कार्ड नवनीकरण का कार्य तत्काल करने उपरांत संबंधित हितग्राहियों को मौके पर ही दिया गया । 06 आवेदन सफाई से संबंधित थे, एवं 03 आवेदन स्ट्रीट लाईट से संबंध में थे।

झरिया के पानी पीने से मिली मुक्ति, घर तक पहुंचा नल जल का पानी

गरियाबंद। जिला मुख्यालय से देवभोग की ओर लगभग 43 किलोमीटर दूरी पर स्थित वनांचल गांव तुपेंगा के ग्रामीणों को अब पीने के पानी के लिए झरिया पर निर्भर नही रहना पड़ता है। ग्राम पंचायत मोंहदा के आश्रित ग्राम तुपेंगा में घर-घर तक नल जल का कनेक्शन पहुंच गया है। जिससे महिलाओं को घर में ही पीने का पानी मिल जा रहा है। अब महिलाओं को लंबी दूरी तय कर पानी लेने नही जाना पड़ रहा है। इससे ग्रामीणों को सदियों के बाद पानी लाने की झंझट से मुक्ति मिली है। घर में पानी मिल जाने से लोगों को काफी आराम एवं राहत मिली है। इसके लिए ग्रामीणों ने सरकार द्वारा चलाई जा रही जल जीवन मिशन को कारगर बताते हुए शासन प्रशासन का आभार जताया है।

उल्लेखनीय है कि खेतों एवं जंगलों के बीच बसे इस गांव में कुल घर 12 हैं। जल जीवन मिशन के पहले ग्रामीणों को किसी भी प्रकार के जल की पूर्ति के लिए एक मात्र शासकीय हैण्डपम्प एवं झरिया पर निर्भर रहना पड़ता था। ग्राम में मुख्यत: आदिवासी वर्ग निवास करते है। जिनका मुख्य आय स्त्रोत वनोपज संग्रहण एवं कृषि हैं। पहले दूर से पानी लाने के लिए अन्य कार्यों को छोड़कर पैदल दूर जाना पड़ता था।

मुख स्वास्थ्य जांच शिविर में 95 लोगों का किया गया पंजीयन

धमतरी। कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग धमतरी एवं शासकीय दंत महाविद्यालय रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत जिलें के पिछड़ी जनजाति वाले क्षेत्रों में मुख स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसके तहत आज मगरलोड़ के ग्राम मोहेरा में आयोजित कमार जनजाति एवं अन्य पिछड़ी जनजातियों का मुख स्वास्थ्य जांच शिविर में कुल 95 लोगों का पंजीयन किया गया। इनमें माईल्ड फ्लूरोसिस के-07, एक्सट्रेक्शन के-09, कैल्कुलस के -13, डेन्चर रिक्वायर्ड के- 02, आरपीडी के- 08, सेवर एट्रजन के- 04 के मरीज मिले है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.यू.एल. कौशिक ने बताया कि शिविर में दंत महाविद्यालय रायपुर के डॉ. महेन्द्र कुमार अनंत, डॉ. सोपान सिंह, डॉ. शुभम सेठी, डॉ. शशांक अग्रवाल के माध्यम से उपस्थित मरीजों का मुख संबंधी जांच कर उन्हें परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया गया। साथ ही जरूरतमंद मरीजों को डेंचर सुविधा, स्केलिंग सुविधा दिया गया।

News Rutin Aug. 24- Full Size-2.qxd 8/12/2024 8:10 PM Page 5

संपादकीय

सत्य-अहिंसा का मार्ग ही संवारेगा भविष्य

आजादी के सात दशकों से लंबे इस सफर में हमने कई चुनौतियां झेली हैं और बड़ी-बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। महात्मा गांधी के नेतृत्व में ब्रिटिश सत्ता से आजादी पाने के बाद हमने कृषि, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, कला, साहित्य, संस्कृति, खेल आदि जीवन के हर क्षेत्र में उल्लेखनीय कीर्तिमान रचे हैं। हमारा लोकतंत्र न केवल मजबूत हुआ है, बल्कि वैश्विक मंचों पर हमारी प्रतिष्ठा भी बढ़ी है।

जब हमने आजादी हासिल की थी, तब हमारा देश गरीब था। हमें अपने नागरिकों तक का पेट भरने के लिए दूसरे देशों से अनाज मंगाना पड़ता था। मगर आज हम न केवल खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हो चुके हैं, बल्कि दूसरे देशों को भी खाद्यान्न की आपूर्ति करते हैं। एक गरीब मुल्क से पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना कोई साधारण उपलब्धि नहीं है और यह उपलब्धि केवल कुछ लोगों और कुछ वर्षों का हासिल नहीं है। इसमें अब तक की सभी सरकारों, किसानों, नागरिकों और राजनीतिक दलों का योगदान है।

इन उपलब्धियों के बावजूद आज जब हम अपने अब तक के सफर का लेखा-जोखा करने बैठते हैं, तब हमें बहुत-सी कमियां नजर आती हैं। रामायण एवं महाभारत के समय के इतिहास को छोड़ भी दें, और अपने देश के आधुनिक इतिहास पर नजर डालें, तो पता चलता है कि इस देश को बनाने और सजाने-संवारने में हर धर्म, पंथ, समुदाय, जाति, वर्ग के लोगों का योगदान रहा है। विविध वर्गों, समुदायों, धर्मों के लोगों में भारतीयता की भावना का विकास करने में महात्मा गांधी एवं उनके सहयोगियों का बड़ा योगदान रहा है। हालांकि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में गांधी जी का प्रवेश 20वीं शताब्दी में हुआ, लेकिन आजादी की लड़ाई 1857 में ही शुरू हो गई थी। आखिरी मुगल बादशाह बहादुरशाह जफर के इस शेर से भला कौन परिचित नहीं होगा-गाजियों में बू रहेगी जब तलक ईमान की, तख्ते लंदन तक चलेगी तेग हिंदुस्तान की।

हमारे लोकतंत्र के मूल मंत्र हैं समता और न्याय। लेकिन आज आत्मविश्लेषण करने पर लगता है कि अपने नागरिकों को समता और न्याय दिलाने का सपना अधूरा ही है। विविधता में एकता भारतीय संस्कृति की विशेषता रही है और हमारी गंगा-जमनी तहजीब की मिसाल दी जाती रही है। लेकिन आज कुछ ताकतें भाई-भाई के बीच अलगाव की भावना पैदा करने में लगी हैं। इस देश के लोग स्वभाव से शांतिप्रिय रहे हैं, लेकिन राजनीतिक स्वार्थी तत्वों के उकसावे के कारण नागरिक जीवन में हिंसा का बोलबाला बढ़ गया है। गांधी जी कहा करते थे, कि आंख के बदले आंख का सिद्धांत सारी दुनिया को अंधा कर देगा।

आज भी अगर हम गांधी जी के बताए हुए मार्ग पर आगे बढ़ें, तो कोई ताकत नहीं है कि हमें परास्त कर पाए। सत्य, अहिंसा और संयम का मार्ग ही भारत को और पूरी दुनिया को भविष्य की राह पर आगे बढ़ाएगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं।

प्रेरक कथा

गलती करने से बड़ी बात है, उस गलती का अहसास

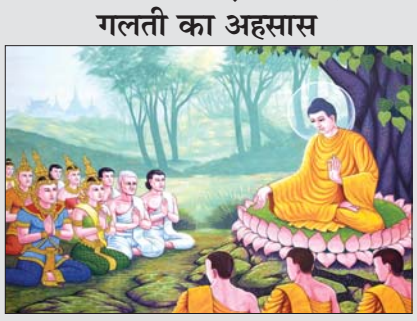

बुद्ध के जीवन से जुड़ी प्रसिद्ध कथा है। बुद्ध के विचारों से उस समय के समाज में बहुत सारे लोग असहज महसूस करते थे। चूंकि बुद्ध ईश्वर की सत्ता को नहीं मानते थे, व्यक्ति की सत्ता को मानते थे। इसलिए उस समय बहुत सारे लोगों को लगता था कि बुद्ध धार्मिक रीति-रिवाजों को नष्ट करने पर तुले हैं। बहुत सारे लोगों में इस विचार का दबाव था। वे इस विचार के प्रबल प्रभाव और भावावेश में थे। ऐसे ही एक व्यक्ति का बुद्ध से सामना हुआ, तो वह भावावेश में कांपने लगा। उसके मुंह से निकला कुछ नहीं। वह बोल कुछ नहीं पाया, बस बुद्ध के सामने थूक कर चला गया।

बुद्ध ने कहा- खुद का संज्ञान होने पर भाषा भी देती है साथ

उस व्यक्ति के इस व्यवहार से आनंद को बहुत क्रोध आया। उन्होंने बुद्ध से पूछा, आपने उस व्यक्ति को कुछ कहा क्यों नहीं। बुद्ध मुस्कराए और कहा, वह बहुत कुछ कहना चाहता था। लंबे समय से किसी वैचारिक झंझावात से जूझ रहा था। उसके पास कहने को बहुत कुछ था, पर कह नहीं पाया। भाषा ने उसका साथ नहीं दिया, इसलिए वह बस थूक कर चला गया। जब वह अपने संज्ञान में लौटेगा, तब भाषा भी उसका साथ देगी।

वही हुआ।

वह व्यक्ति दूसरे दिन वापस लौटा और सीधा बुद्ध के चरणों में गिर पड़ा। उसने अपने किए की माफी मांगी। वह पश्चात्ताप से भरा हुआ था। उसने बताया कि जबसे वह बुद्ध के साथ दुर्व्यवहार करके गया था, तबसे चैन से रह नहीं पाया था।

बुद्ध से अपने किए की माफी मांगने के बाद वह अब हल्का महसूस कर रहा था। भावावेश में कोई व्यक्ति कुछ गलत कर बैठता है, तो उसका आवेश शांत पड़ जाता है। उस व्यक्ति का भी आवेश समाप्त हो गया था।

बुद्ध ने आनंद की तरफ देखा। आनंद ने गर्दन झुका ली। वे समझ गए थे कि गलती करने से बड़ी बात है, उस गलती का अहसास हो जाना। इससे व्यक्ति का मन निर्मल होने लगता है।

भारतीय जनता की मुक्तिगाथा और अपनी अस्मिता की पहचान का दिन

पंद्रह अगस्त सिर्फ एक तारीख नहीं है। भारत की जनता के लिए यह अपनी अस्मिता की पहचान की तिथि है। इसी दिन हम ब्रिटिश कॉलोनी के नागरिक न रहकर स्वतंत्र भारत के नागरिक बने। इसी दिन स्वतंत्रता की हवा का आनंद इस विशाल देश की जनता ने अनुभव किया। स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए इस देश के असंख्य लोगों ने अपनी जान गंवाई। हजारों लोगों को कारावास की हवा खानी पड़ी, अनेक लोगों को कालापानी की सजा मिली। ये कथाएं नहीं, वास्तविक घटनाएं हैं। भारत को मिली स्वतंत्रता में हजारों-लाखों लोगों के त्याग और समर्पण की भूमिका रही है। यह भी सच है कि देश के अलग-अलग कोनों के सैकड़ों अनाम लोगों ने देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया, लेकिन उनकी संघर्ष कथा हमारे स्वीकृत इतिहास ग्रंथों में कहीं दर्ज नहीं है।

स्वतंत्रता संग्राम के दौर की एक विशेषता यह भी थी कि देश के एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश की दूरियां मिट गईं। अंग्रेजी के साथ हिंदी भारत की भाषा के रूप में उभरकर सामने आई। एकता का यह अदृश्य सूत्र जनमानस में पैठ बनाता गया। स्वतंत्रता संग्राम और नवजागरण के क्रियाकलापों ने मिलकर सर्वत्र धार्मिक सद्भाव की लहरें फैलाईं। संकीर्णताएं मिटती चली गईं। जातिगत भेदभाव की दीवारें भी ढहने लगीं। कई प्रकार की विभिन्नताओं के बावजूद स्वतंत्रता एक बड़े देश की जनोन्मुखी आकांक्षा बन गई, जिसके लिए सर्वस्व न्योछावर करने की भावना तीव्र थी। भारतीयता की भावना स्वीकृत होती जा रही थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद संविधान बना, जिसमें भारत को लोकतंत्र घोषित किया गया। लोकतंत्र की परिकल्पना में मानवीय मूल्यों को सर्वाधिक महत्व दिया गया। न्याय, समभाव और सौहार्द को संविधान में प्रमुखता मिली। भारतीय संविधान सही अर्थों में समावेशी बना।

इसमें कोई शक नहीं कि भारत निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। पूरी दुनिया में भारत का नाम आदर से लिया जाता है, जो हमारे लिए गर्व की बात है। लेकिन जब हम अपने देश के यथार्थ को निकट से देखते हैं, तो कई नकारात्मक स्थितियां भी सामने आती हैं। इसलिए जब हम अपनी स्वतंत्रता प्राप्ति पर विचार करने लगते हैं, तो हर्ष के स्थान पर विषाद हमें घेरने लगता है। कई प्रकार की अराजक स्थितियां उद्भासित होती दिखती हैं। इसमें अधिकार का केंद्रीकरण सबसे प्रमुख है। यह अधिकार धन केंद्रित भी है। इस प्रवृत्ति ने समता और सहोदर भाव को नष्ट कर दिया है। यह भीषण अवस्था तब दोगुनी-चौगुनी होने लगती है, जब उसमें जातिगत व धर्मगत भेदभाव प्रवेश करता है। क्या हम पूरे साहस के साथ कह सकते हैं कि हमारी लोकतांत्रिक परिघटना में धर्म और जाति का प्रवेश नहीं है! चुनावी राजनीति ने इसे और विकराल बना दिया है।

स्वतंत्रता का अर्थ अत्यंत गंभीर है। सही नागरिक बोध से युक्त एक स्वतंत्र समाज ही लोकतंत्र को बल प्रदान करता है। इस संदर्भ में हमें आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। क्या हमारा समाज स्वतंत्र है? एक समाज तभी स्वतंत्र महसूस करता है, जब वह अपने पैरों पर खड़ा हो। यदि उसकी आधारशिला असंतुलित है, तो उसे स्वतंत्र नहीं कहा जा सकता। आर्थिक असंतुलन की बात करें, तो समाज का एक तबका सुविधाजनक जीवन जी रहा है, तो दूसरा वर्ग विपन्नता की अग्नि में झुलस रहा है। यहां संविधान द्वारा परिकल्पित समता की भावना अर्थहीन हो जाती है।

हमारे देश की अधिकांश आबादी सामान्य स्तर की शिक्षा पा रही है। शिक्षा के क्षेत्र में निजीकरण ने इस फासले को बहुत बढ़ा दिया है। यह स्वतंत्र समाज के विकास के लिए घातक है। शिक्षा के अधिकार का आशय ही समान शिक्षा का अधिकार है। हमारे देश के कुछ बच्चे जहां अंतरराष्ट्रीय स्तर के विद्यालयों में पढ़ते हैं, वहीं अधिकांश बच्चे मामूली स्कूलों में शिक्षा पाते हैं, जहां बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। क्या यह स्थिति एक स्वतंत्र समाज के लिए प्रीतिप्रद है? यहां मुझे चंद्रकांत देवताले की कविता- थोड़े-से बच्चे और बाकी बच्चे याद आ रही है- थोड़े-से बच्चों के लिए/एक बगीचा/उनके पांव दूब पर पड़ रहे हैं/ असंख्य बच्चों के लिए/कीचड़, धूल और गंदगी से पटी/गलियां हैं जिनमें वे/अपना भविष्य बीन रहे हैं। विभाजित समाज कतई स्वतंत्र समाज नहीं है। विभाजित समाज को लेकर राजनेताओं, अधिकारियों एवं पूंजीपतियों के अपने-अपने तर्क होंगे, पर एक विचारशील नागरिक के लिए ये तर्क उतने महत्वपूर्ण नहीं हो सकते, क्योंकि स्वतंत्रता को वे अगंभीर दृष्टि से देखना पसंद नहीं कर सकते।

हमारे पूर्वजों ने आजादी के लिए जो लड़ाई लड़ी, वह समतामूलक और अविभाजित समाज के निर्माण के लिए थी। अधिकार जब परम मूल्य हो जाता है, तब अस्वतंत्रता की प्रदूषित हवा सर्वत्र व्यापित होने लगती है। अधिकार समाज को कई खंडों में विभाजित करता है। वैश्वीकरण की प्रक्रिया ने पूंजी केंद्रित अधिकार को बढ़ावा दिया है। उसके सामने सामान्य जीवन का कोई अर्थ नहीं रह गया है। जो भी सामान्य है, जमीनी है, यथार्थ है, वह धीरे-धीरे रद्द होता चला गया। लोकतंत्र की संवादात्मकता सबसे पहले खत्म हो गई। अधिकार की राजनीति में संवाद के लिए कोई जगह नहीं रही। मूल्याधारित संस्कृति बहिष्कृत होती गई। प्रौद्योगिकी को, जो विकास के लिए अनिवार्य है, अधिकार ने ग्रस लिया और अधिकार ने बाजार को जन्म दिया, जो सब कुछ तय करता है। इन कुछ स्थितियों के तहत क्या एक समाज स्वतंत्र हो सकता है?

वैश्विक संदर्भ में वर्तमान समय के समानांतर एक महावर्तमान भी जीवंत है। वस्तुत: वही सारे देशों को, उसके विकास-अविकास को, स्वतंत्रता को नियंत्रित कर रहा है। आज जो नव उपनिवेशवाद का दौर चल रहा है- महावर्तमान का-वह कई मायनों में अदृश्य है। उसका असर हमारे काल और हमारी भाषा पर पड़ता है। अस्वतंत्रता का अदृश्य आवरण हर कहीं है, अदृश्य शिकंजे की तरह। केंद्रीभूत अधिकार का यह आवरण स्वतंत्रता की पारदर्शिता के लिए घातक है। 15 अगस्त भारतीय जनता की मुक्तिगाथा और एक विशाल देश की सर्वस्वतंत्र कल्पनाओं से जुड़ी तारीख है। हमारे स्वत्व का प्रयाण इसी दिन हुआ था। यह स्वतंत्रता का प्रयाण था, लेकिन हमें अपने सीने पर हाथ रखकर पूछना चाहिए कि क्या हम पूर्ण रूप से स्वतंत्र हैं!

कुर्बानियों से मिली है आजादी

हमारे देश की आजादी ने 76 लंबे साल पूरे किए हैं। यह कालखंड एक विशाल, विराट इतिहास सरीखा है। गुलामी की बेडियां और उनकी पीड़ा बहुत पीछे छूट चुका है। आज हमारा लोकतंत्र आजाद है। संविधान स्वतंत्र और भविष्यद्रष्टा है। हमारे अपने मौलिक अधिकार और मूल्य हैं। आज हम मानसिक, भौतिक, सामाजिक, राजनीतिक तौर पर संप्रभु राष्ट्र हैं। संस्कृति और सभ्यता के साथ-साथ एक समृद्ध विरासत, धरोहर भारत ने ही विश्व को दी है, लिहाजा सांस्कृतिक उत्थान में हमारा कोई सानी नहीं है। आज हमारा आसमान और विभिन्न आयाम अनंत और अशेष हैं। हमारी फिजाएं और हवाएं भी अबाध हैं। 15 अगस्त, 1947 को याद करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि उस दौर में हम सुई तक बनाने में अक्षम थे। गांव तक बैलगाड़ी या फिर मीलों पैदल चल कर जाना पड़ता था। सडकें और राजमार्ग स्वप्निल थे। रेलगाड़ी और यातायात के साधन बेहद सीमित थे और पंगु भी साबित होते रहते थे। भारत ऐतिहासिक और सांस्कृतिक अतीत वाला राष्ट्र था, फिर भी उसे गांव, गरीब, गोबर और सांपों वाला देश माना जाता था। हमने परवाह नहीं की। भारत एक भूखंड ही था, जहां निर्जन, बंजर, पठार, जंगल, मरुस्थल असंख्य थे। हमने उन्हें संसाधनों में तबदील किया। आत्म-संतोष यह था कि अब हम स्वतंत्र, संप्रभु और गणतांत्रिक देश होंगे।

उस और आज के कालखंड की तुलना करें, तो खुद से सवाल करना पड़ता है कि अंतरिक्ष, आसमान, समंदर से लेकर जमीन तक कहां नहीं है हिन्दुस्तान? यह बात पुरानी और सियासी-सी लगती है, लेकिन हकीकत है कि आज हम विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और तीसरे स्थान तक का सफर बड़ी तेजी से कम हो रहा है। यह हम आजाद भारतीयों के पुरुषार्थ और मेहनत का ही नतीजा है। आज हम दूध और चीनी के सबसे बड़े उत्पादक और उपभोक्ता देश हैं। गेहूं, चावल, फल, सब्जियों आदि के संदर्भ में दुनिया के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक और आपूर्तिकर्ता देश हैं। कभी भारत अकाल और खाद्य-संकट वाला देश था। विदेश से 'लाल गेहूं' का जहाज आता था, तो हमें आटा नसीब होता था। हमारी 'हरित क्रांति' ने भारतीय कृषि की दशा और दिशा ही बदल दी। आज चंद्रमा की ओर हमारा 'चंद्रयान-3 मिशन' बढ़ रहा है, तो रूस का भी मिशन वहां पहुंचने वाला है, जबकि रूस हमसे बहुत आगे है। हमने कई देशों के उपग्रह भी अपने अंतरिक्ष अभियान के साथ भेजे हैं। आज अमरीका, जापान, जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन की विख्यात बहुराष्ट्रीय कंपनियां हमारी स्वदेशी कंपनियों के समन्वय और सहयोग से, भारत में ही, उत्पादन कर रही हैं। भारत इन देशों का भरोसेमंद रणनीतिक साझेदार भी है। लड़ाकू विमान के सबसे ताकतवर इंजन, सेमीकंडक्टर चिप्स आदि का निर्माण भी अब भारत में ही होगा। कभी हम अमरीका, चीन, सिंगापुर आदि देशों पर आश्रित होते थे। आज भारत आत्म-निर्भरता की ओर बढ़ रहा है। आज हम विमान, मिसाइल, ड्रोन, हेलीकॉप्टर और कई अन्य हथियारों का उत्पादन देश में ही कर रहे हैं और 50 से अधिक देशों को हथियारों का निर्यात भी कर रहे हैं। यह भी आश्चर्य ही है कि करीब 140 करोड़ की आबादी वाले विशाल और विविध देश में अकाल, भुखमरी के कोई आसार तक नहीं हैं। हम सभी ने मिल कर कोरोना वैश्विक महामारी को भी मात दी है। हमारे देशवासियो! यह आजादी बेमिसाल है, अद्भुत और दुर्लभ भी है, लिहाजा हमेशा याद रखें कि आजादी के साथ-साथ देश को विभाजन की विभीषिकाएं, दंश, यंत्रणाएं, अलगाव, विस्थापन के हालात भी झेलने पड़े थे।

लाखों मासूम मारे गए, बेघर हुए, सब कुछ लुट गया, लेकिन भारत को स्वतंत्र देखने का जज्बा निराला था, लिहाजा कुर्बानियां भी फूल-सी लगीं। आज हम मणिपुर, नूंह जैसे हालात देखते हैं, तो भीतर से आर्त्तनाद गूंज उठता है-अरे, हम तो भाई-भाई हैं। इस देश के आजाद नागरिक हैं। एक ही गुलिस्तां के फूल हैं, फिर यह लहू क्यों बहाया जा रहा है? सांप्रदायिक और जातीय दंगे क्यों भडकाए जा रहे हैं? क्यों हत्याएं करने पर हम आमादा हैं? क्या हम अपने ही हिन्दुस्तान के दुश्मन हैं? इन्हें त्याग दो, भाइयो! यह आजादी बेशकीमती है, कुर्बानियों से मिली है, इसे किसी भी कीमत पर खोया नहीं जा सकता। स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री का संबोधन भी होगा। देखना होगा कि वह देश के समक्ष क्या विचार रखते हैं। हालांकि देश के कई हिस्सों में बाढ़ से भारी तबाही हो रही है, ऐसे समय में स्वतंत्रता दिवस की खुशी कुछ फीकी लगती है, फिर भी इसे जोश से मनाया जाना चाहिए। **जयहिंद।**

आजादी को आजादी ही रहने दो

निधि शर्मा

इस वर्ष हम आजादी की 78वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। यह वर्ष बुलंद हौंसलों की वो आवाज है जो अंग्रेजी सल्तनत के समय कुचले जाने के कारण भी न दबी, न मरी बल्कि कई जुल्मों को चीरते हुए आज हम तक स्वच्छंद हवा के रूप में हमारी रगों में बह रही है। लेकिन यह हवा आज लगातार जहरीली होती जा रही है। शायद इस हवा में सांस लेने वाले लोग उन लाखों बलिदानियों की शहादत को भूल गए हैं जिन्होंने हमारी आजादी के लिए अपना शरीर, अपना परिवार, अपना बचपन, अपनी जवानी और अपनी रुह तक को न्योछावर कर दिया। आखिर क्यों भूल गए हम कि उन बलिदानियों का कर्ज उतारने की जगह हम वर्तमान में ऐसे गूढ़ा कर्ज लेते जा रहे हैं जिसके लिए हमारा भविष्य हमें कभी माफ नहीं करेगा।

इस गूंगे समाज में हमारे देश की आजादी के लिए सूनी कोख वाली माताओं के लिए शब्द तो अभी भी छन-छन कर ही आते हैं। तभी मणिपुर में निर्वस्त्र उन महिलाओं की कराहना के लिए भी हमारे समाज के कान बहरे हो गए। हालांकि मणिपुर तो एक बहाना है, रोज सडक़, चौराहे, यहां तक कि घर की चार दिवारी में लाखों बेटियों की परतंत्रता का भद्दा मजाक बनाया जाता है और यह मजाक आजादी के नाम पर बड़े-बड़े समारोह की शान बनता हुआ अक्सर देखा जाता है। लेकिन हम शांत हैं क्योंकि हमारी खामोशी, हमारी आजादी को मनाने के लिए बहुत जरूरी है। यह मसला किसी वर्ग विशेष तक सीमित नहीं। घर से निकलते ही सडक़ पर हजारों गाडियां इस तरह आजादी मना रही होती हैं कि पैदल चलने वाले और पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सफर करने वाले स्वयं उनसे अपनी आजादी की भीख मांग रहे होते हैं। वहीं सडक़ के दोनों तरफ अपनी खुशी को ढूंढने निकले फल, सब्जी व चाय का ठेला लगाने वाले विक्रेता, स्वयं बड़े-बड़े मॉल से प्रतियोगिता करने के लिए आतुर से दिखते हैं। क्योंकि अगर कोई मॉल से निकल कर उन ठेलों से खरीददारी कर लेता है तो वे स्वयं आजादी को अनुभव करने लग जाते हैं। उनकी वही खुशी उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य और रोटी-कपड़ा-मकान जैसी जरूरतों के लिए मार्ग दिखाती है।

इन्हीं लोगों का कोई होनहार बच्चा स्कूल या कॉलेज तक पहुंच भी जाता है तो दिखावटी स्टेटस के चलते स्वयं को उन लोगों के बीच परतंत्र सा महसूस करने लगता है। यही बच्चे जब अपने अध्यापकों से सहमे से और अकेले में पढ़ने के लिए पुस्तकों का खर्च पूछते हैं तो उनकी आजादी के मायने सिस्टम के सामने फेल से नजर आते हैं क्योंकि शायद स्कूली दरवाजा सरकारी खर्च पर खुला भी मिल जाए लेकिन आगे की पढ़ाई का खर्च स्वयं ही उठाना पड़ता है । वहीं खुदा न करें उनके परिवार का कोई सदस्य बीमार पड़ जाए तो पुस्तकों के लिए जमा की गई पूंजी अस्पतालों में ईलाज पर खर्च हो जाती है। वहां पर भी शायद सरकारी अस्पताल के नाम पर एक बिस्तर मिल भी जाए लेकिन दवाईयों का भारी खर्च स्वयं ही सहन करना पड़ता है। उस समय उनकी मजबूरी कहती है कि हमें मंजूर है उनकी परतंत्रता जो हमें समय पर हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिए धन उपलब्ध करवा दे। अगर उस समय परतंत्रता की बेडियां पहनाने के लिए भी कोई शख्स नहीं मिलता है तो धन देने वाले साहूकार उस समय तो देवदूत बन जाते हैं, लेकिन समय पर धन ब्याज सहित न चुकाने के कारण यमदूत भी बन जाते हैं। उस समय यह समझ नहीं आता कि आजाद मुल्क में लंबी-लंबी सांस लें या एक ही झटके में स्वयं को खत्म कर लें और न जाने इस परिस्थितियों में कितने ही हजारों-लाखों लोगों की आत्माएं अमर भी हो गई होंगी।

यह सूची इतनी लंबी है कि आजादी के 77 वर्ष बीत जाने के कारण भी खत्म ही नहीं हो रही। कोई सिर्फ चंद रुपयों के लिए किसी अपने की हत्या कर देता है तो कोई अपनी ही बहू-बेटियों को बेच देता है। लेकिन एक अन्य पहलू यह भी है कि आजादी मिलने के नाम पर कुछ अपनी जिंदगी का ऐसा नंगा नाच दिखाते हैं जिसके कारण सभी को एक ही लाइन में खड़ा कर दिया जाता है।

News Rutin Aug. 24- Full Size-2.qxd 8/12/2024 8:10 PM Page 6

रायपुर के एसडीएम और तहसीलदार को कारण बताओ नोटिस

- संभायुक्त ने एसडीएम दफ्तर का किया
- अधिकारियों से कहा लोगों की समस्याओं का संवेदनशीलता से करे समाधान

रायपुर। संभागायुक्त महादेव कावरे ने रायपुर के अनुविभागीय राजस्व अधिकारी कार्यालय और तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। कावरे सुबह 10 बजे एसडीएम कार्यालय पहुंचे और उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों से राजस्व प्रकरणों की जानकारी तलब की। उन्होंने राजस्व संबंधी विवादित और अविवादित प्रकरणों का जल्द निपटारा करने के निर्देश अधिकारियों को दिये ताकि लंबित प्रकरणों की संख्या कम हो और लोगों को सहुलियत मिले। कावरे ने कार्यालयों में आने वाले लोगों की समस्याओं को संवेदनशीलता से सुनने और जल्द समाधान करने को कहा ताकि लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर ना काटना पड़े।

उन्होंने कहा कि आवश्यकता होने पर ही पक्षकार को बुलाया जाकर प्रकरणों पर त्वरित आदेश पारित करें। संभागायुक्त ने बटांकन के लिए अभियान चलाकर निपटारा करने और सीमांकन के प्रकरणों का समय-सीमा में समाधान करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कार्यालय में टूटे-फूटे कुर्सी, टेबलों-फर्नीचर की तत्काल मरम्मत कराने को कहा। कावरे ने कर्मचारियों के टेबलों पर पद तथा नाम प्रदर्शित करने वाली पट्टिकायें भी लगाने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त ने एसडीएम कार्यालय के निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को टाईम टेबल बनाकर आवेदकों को बुलाने का सुझाव दिया। उन्होंने आवक-जावक शाखा का भी निरीक्षण किया और रिकार्ड दुरूस्त रखने और स्टॉक पंजी संधारण करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त ने स्टॉक के वेरिफिकेशन का सुझाव भी दिया। उन्होंने नजूल शाखा के निरीक्षण के दौरान कैश बुक और पंजीकरण रजिस्टर दुरूस्त रखने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त ने लंबे समय से आदेश के लिए लंबित रखे गए प्रकरणों का भी अवलोकन किया और बिना किसी उचित कारण के आदेश लंबित रखने पर एसडीएम नंदकुमार चौबे को कारण बताओ नोटिस जारी किया।

कमिश्नर कावरे ने रायपुर तहसील कार्यालय में कानून गो, वित्त, नाजिर शाखा, डब्ल्यूबीएन, रिकार्ड रूम सहित विभिन्न शाखाओं में संधारित पंजीयों और दस्तावेजों का निरीक्षण किया।

संभागायुक्त ने तहसीलदार न्यायालय के प्रकरणों को बारिकी से जांचा और कई प्रकरणों के ऑनलाईन पंजीयन नहीं होना पाये जाने पर तहसीलदार को कारण बताओ नोटिस जारी किया।

कावरे ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों-कर्मचारियों को नामांकन, सीमांकन इत्यादि प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में निपटारा करने के निर्देश दिये। उन्होंने आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र भी निर्धारित समय-सीमा में बनाने को कहा। संभागायुक्त कावरे ने सीमांकन, अतिक्रमण, व्यवस्थापन, नक्शा का बाटांकन आदि के संबंध में आवश्यक निर्देश तहसीलदार को दिए। उन्होंने तहसील कार्यालय के डब्ल्यूबीएन में उचित ढंग से कार्य करने, पंजीयों का संधारण पश्चात आवश्यक प्रवृष्टि करने तथा उसकी तहसीलदार द्वारा समय-समय पर समीक्षा करने के निर्देश भी दिए।

दुर्ग में तीन सौ हेक्टेयर में होगी ऑयल पाम की खेती

दुर्ग। जिले में तीन सौ हेक्टेयर आयल पाम की खेती की जाएगी। इसके लिए उद्यानिकी द्वारा जिले के कृषकों से ऑयल पॉम का पौधरोपण कराया जा रहा है। इसी के तहत आज धमधा विकास खंड ग्राम चेटूवा में 5 हेक्टेयर में ऑयल पॉम के पौधे रोपित किए गए।

अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा एवं कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी की मौजूदगी में 3 एफ ऑयल पॉम कंपनी एवं उद्यानिकी विभाग के तत्वाधान में कृषक जगदीश सोलंकी की कृषि भूमि यह पौधरोपण किया गया। इस दौरान ग्राम पंचायत चेटुवा में किसानों की उपस्थिति में उद्यान विभाग एवं 3-एफ ऑयल पॉम कंपनी के समन्वय से ऑयल पॉम की खेती को बढ़ावा देने तथा किसानों में जागरूकता लाने हेतु कार्यक्रम रखा गया। इसमें उपसंचालक उद्यान पूजा कश्यप साहू एवं 3 एफ ऑयल पॉम छ.ग. प्रमुख मनोज कुमार शर्मा द्वारा केन्द्र पोषित ऑयल पॉम योजना (एनएमईओ-ओपी) के संबंध में कृषकों को विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान ऑयल पॉम की खेती कर रहे कृषक योगेश साहू ग्राम टेमरी द्वारा ऑयल पॉम खेती से होने वाले लाभ के बारे में बताया गया। भारत सरकार द्वारा खाद्य तेल के मामले में यह महत्वपूर्ण योजना शुरू की गई है। इसके तहत दुर्ग जिले में भी आयल पाम का व्यापक पौधरोपण कराने उद्यानिकी विभाग द्वारा कवायद की जा रही है। इस कार्यक्रम में नगर पालिका अहिवारा अध्यक्ष नटवरलाल ताम्रकार, जनपद पंचायत धमधा अध्यक्ष सरस्वती रात्रे, जनपद सदस्य हेमा साहू व अशोक पटेल, पूर्व सरपंच ढौर खेमू साहू, सरपंच ग्राम पंचायत चेटूवा आत्मा राम गजपाल, साथ ही उद्यानिकी विभाग धमधा के अधिकारीगण एवं 3 एफ ऑयल पॉम के कर्मचारी तथा कृषक गण उपस्थित थे।

कावड़ियों के बीच अमरकंटक पहुंचे डिप्टी सीएम विजय शर्मा, साथ में बैठकर किया भोजन

उपमुख्यमंत्री के निर्देश पर कावड़ियों के लिए भोरमदेव से अमरकंटक तक विशेष व्यवस्था

कवर्धा। उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने अमरकंटक के मृत्युंजय आश्रम में कांवड़ियों के लिए की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और स्वयं कांवड़ियों के साथ बैठकर भोजन भी किया। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कांवड़ियों को भोजन का वितरण भी किया और उनके साथ पवित्र सावन माह की इस महत्वपूर्ण यात्रा में भागीदारी की।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अमरकंटक से भोरमदेव मंदिर तक की 150 किलोमीटर लंबी कांवड़ यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं, ताकि भक्तगणों को यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा के निर्देशानुसार कांवड़ियों के लिए 15 से अधिक स्थानों पर चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। यात्रा के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से भी विशेष प्रबंध किए गए हैं। जिनमें 4 पुलिस पेट्रोलिंग टीमें और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस की ड्यूटी शामिल है। पुलिस अधीक्षकों को इस संबंध में विस्तृत निर्देश दिए गए हैं, ताकि कांवड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

कांवड़ियों के लिए 20 से अधिक स्थानों पर ठहरने की विशेष व्यवस्था की गई है। अमरकंटक के मृत्युंजय आश्रम में निःशुल्क भोजन और रात्रि विश्राम की व्यवस्था की गई है, जिसमें दाल-भात, सब्जी, मिठाई जैसे खीर, पुड़ी और हलवा का समावेश है। इन व्यवस्थाओं की निगरानी में बोलबम समन्वय समिति और स्थानीय अधिकारी सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि हमारे लिए कांवड़ियों की सुविधा और सुरक्षा सर्वोपरि है। सावन माह के इस पवित्र अवसर पर हमने सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए हैं ताकि सभी भक्तजन बिना किसी कठिनाई के अपनी यात्रा पूरी कर सकें।

न्यू बस स्टैंड में लगाया यात्री बसों का निरीक्षण शिविर

खैरागढ़। पुलिस अधीक्षक केसीजी त्रिलोक बंसल के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेहा पाण्डेय एवं अनुविभागीय अधिकारी लालचंद मोहले के मार्गदर्शन में जिले में समर्थ अभियान के तहत लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें न्यू बस स्टैंड खैरागढ़ में समर्थ अभियान के अंतर्गत शिविर लगाकर यात्री बसों को चैक किया गया।

चेकिंग के दौरान 50 बसों के समस्त दस्तावेजों को चेक किया गया साथ बसों में यात्री की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अग्निशामक यंत्र ,यात्री किराया की सूची, प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स की उपलब्धता/अनुपलब्धता को चेक किया गया।

निरीक्षण दौरान बस ओके ड्राइवर और कंडक्टर को नेम प्लेट सहित वर्दी लगाने हिदायत दी गई। बस कंडक्टरों को यात्रियों के सफर दौरान महिलाओं एवं दिव्यांगो के सीट आरक्षित कर उनके बैठने एवं उनकी सुरक्षा के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। निशा के दौरान बड़ी गाडियों के मैकेनिक को बुलाकर सभी बसों का मेकेनिकल कल पुर्जों का भौतिक निरीक्षण किया गया जिसमें एयर, ऑयल प्रेशर , टायर की स्थिति,की जांच की गई, एवं ड्राइवरों को बस चलाने के पूर्व सभी मेकेनिकल कलपुर्जों , ब्रेक आदि की जांच कराने के पश्चात गाड़ी चलाने की हिदायत दी गई।

बकाया टैक्स वसूलने हाई अलर्ट मोड पर राजस्व विभाग

दुर्ग। कमजोर टैक्स वसूली निगम के लिए एक चिंता का विषय है। करोड़ों रुपए के टैक्स जमा नहीं हुए। वर्षों से लंबित टैक्स को जमा करने निगम प्रशासन द्वारा कोई विशेष पहल नहीं की गई। इससे निगम की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती चली गई। निगम कर्मचारियों को वेतन देने के लिए आर्थिक संकट की स्थिति बनी रही। इन सारी परिस्थितियों से निजात पाने निगम प्रशासन द्वारा राजस्व विभाग को हाई अलर्ट मोड पर रखा गया है। निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने बकाया टैक्स वसूली के लिए बकायदा एक टीम गठित की है। इस टीम को 30 दिनों के भीतर टैक्स की बकाया वसूली की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं सप्ताह भर के भीतर राजस्व वसूली का लक्ष्य एक करोड़ रखा गया है।

निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने 8 अगस्त को आदेश जारी किया है, जिसमें बड़े बकायादारों से राजस्व वसूली के लिए टीम का गठन किया है। राजू लाल चंद्राकर जल कार्य निरीक्षक को इस टीम का अध्यक्ष बनाया गया है। सदस्य के रूप में निशांत यादव राजस्व उप निरीक्षक, रामखिलावन शर्मा प्रभारी राजस्व उप निरीक्षक, योगेश सूरे प्रभारी राजस्व उप निरीक्षक तथा संजय मिश्रा प्रभारी राजस्व उप निरीक्षक होंगे। टीम के ये सदस्य 30 दिवस के भीतर राजस्व वसूली का कार्य पूर्ण रूप से करते हुए पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे। इस टीम के सभी सदस्यों एवं अध्यक्ष को नाम से रसीद बुक जारी करने स्टोर प्रभारी को निर्देशित किया गया है। निगम प्रशासन द्वारा लंबे समय से टैक्स जमा नहीं कर रहे हितग्राहियों की सूची तैयार की गई है। वार्ड अनुसार बनाई गई बकायादारों की सूची में शहर के नामी लोग भी शामिल हैं। उनके नाम बकाया टैक्स लाखों रुपए है।

देखना दिलचस्प होगा कि टीम के सदस्य इन नामी लोगों से टैक्स किस तरह वसूलेंगे।

एसडीएम ने अनियमितता पाये जाने पर संस्थान के खिलाफ की कार्यवाही

रायगढ़। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने जिले में कृषकों को खाद बीज एवं कीटनाशक की सुगमता पूर्वक गुणवत्तायुक्त उपलब्धता बनाये रखने के निर्देश दिए हुए है। उक्त निर्देश के परिपालन में आज एसडीएम प्रवीण तिवारी एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अभिषेक पटेल के द्वारा संयुक्त रूप से अनुभाग रायगढ़ के अन्तर्गत ग्राम कोतरा का निरीक्षण किया गया। जिसमें उर्वरक विक्रय संस्थान मेसर्स शंकर ट्रेडिंग कंपनी के द्वारा पॉस मशीन में उर्वरक, भौतिक स्कंध में से कम होना पाया गया जो कि उर्वरक व्यवसाय के नियमों के विपरीत है। एसडीएम एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी के द्वारा पॉस स्कंध से अधिक भौतिक रूप से उपलब्ध उर्वरक 2.00 टन म्यूरेट आफ पोटाश (एमओपी) के संबंध में संबंधित संस्थान को अभिलेख प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया एवं उक्त संस्थान पर 21 दिनों के लिए उर्वरक विक्रय पर प्रतिबंध की कार्यवाही की गई है। कलेक्टर के निर्देशानुसार ऐसे निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे ताकि उर्वरक व्यवसाय में पारदर्शिता और नियमों का पालन सुनिश्चित हो।

ढाई माह बाद भी हत्या के आरोपी पकड़ से बाहर, परिजनों और ग्रामीणों ने पुलिस के खिलाफ किया प्रदर्शन

खैरागढ़। खैरागढ़ जिले के गाँव देवारीभाट में मई में राजेश्वर वर्मा की हत्या हुई थी। जिसके हत्यारे को ढाई माह गुजरने के बाद भी खैरागढ़ पुलिस तलाश नहीं कर पाई है। इसे लेकर खैरागढ़ विधायक, परिजनों और ग्रामीणों ने पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन किया। आक्रोशित ग्रामीण और खैरागढ़ विधायक सडक़ पर ही बैठ गए और खैरागढ़ शहर के मुख्य मार्ग को अवरुद्ध कर दिया। जिसके बाद मौके पर एडिशनल एसपी पहुंचीं और उनकी समझाइश के बाद ग्रामीणों ने सडक़ जाम खत्म किया।

बुधवार को नाराज परिजनों और सैकड़ों ग्रामीणों ने खैरागढ़ में इतवारी बाजार से लेकर दुर्गा चौक तक पैदल मार्च निकाला। ग्रामीण इतवारी बाजार से पुलिस प्रशासन की अर्थी लेकर थाने का घेराव करने निकले थे, जिसे पुलिस प्रशासन ने बलपूर्वक रोक दिया। लेकिन ग्रामीण रैली के रूप में दुर्गा चौक पहुंचे, जहाँ खैरागढ़-कवर्धा के मुख्य सडक़ को जाम कर दिया।

ज्ञात हो कि बीते 19 मई को ग्राम देवारीभाठ निवासी राजेश्वर वर्मा उर्फ उमेश वर्मा की हत्या हुई थी ,जिसे तीन माह बीतने के बाद भी पुलिस हत्यारे को पकड़ नहीं पाई। हत्याकांड की जानकारी के बाद पुलिस जरूर मौके पर पहुंची थी और शव का पंचनामा उपरांत सिविल अस्पताल खैरागढ़ में पोस्टमार्टम भी कराया गया था, जहां पीएम रिपोर्ट में राजेश्वर वर्मा की हत्या की पुष्टि हुई थी जिसके बाद पुलिस ने मामले में अपराध भी पंजीबद्ध किया था। पर हत्याकांड के इस मामले को पुलिस अब तक नहीं सुलझा पायी।

हत्या को लेकर खैरागढ़ विधायक यशोदा नीलांबर वर्मा समेत सैकड़ों नाराज ग्रामीण सडक़ पर बैठ गए। प्रदर्शन की सूचना पर पुलिस ने खैरागढ़ शहर में चाक-चौबंद व्यवस्था कर रखी थी। बड़े-बड़े टीनों की दीवार बनाकर थाना पहुँच मार्ग को ब्लॉक कर दिया गया था। लेकिन आक्रोशित ग्रामीण और खैरागढ़ विधायक यशोदा वर्मा सडक़ पर ही बैठ गए और खैरागढ़ शहर के मुख्य मार्ग को अवरुद्ध कर दिया। जिसके बाद मौके पर एडिशनल एसपी नेहा पांडेय पहुंचीं और उनकी समझाइश के बाद ग्रामीणों ने सडक़ जाम खत्म किया।

एसपी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

रायगढ़ (सुधर गांव)। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल द्वारा नगर पुलिस अधीक्षक आकाश शुक्ला, थाना प्रभारी पुसौर रोहित बंजारे व उनके स्टाफ के साथ थाना पुसौर क्षेत्र अंतर्गत बाढ़ प्रभावित गांवों का भ्रमण किया गया । पुलिस अधीक्षक ने थाना प्रभारी पुसौर रोहित बंजारे को क्षेत्र के पंच, सरपंच से नियमित संपर्क में रहने व अतिवर्षा होने पर बाढ़ प्रभावित गांवों के लोगों को प्रशासन द्वारा चिन्हित किये गये राहत शिवरों में लेकर जाने के निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल ने ग्राम सुरजगढ़, चंघोरी, सिंगपुरी, खपरापाली तथा उड़ीसा बॉर्डर पर स्थित अंतिम गांव ककईमहान में चौपाल लगाक रहवासियों से चर्चा किया गया। उन्हें बाढ़ आने पर बरतने वाली सावधानियों की जानकारी दिए और अभी नदी की ओर नहीं जाने की समझाइश दिए। पुलिस को पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्राकृतिक आपदा से बचाव एवं राहत व्यवस्था के लिए प्रशासन व पुलिस बल मुस्तैद है।

मिडिल स्कूलों में होगी 96 शिक्षकों की नियुक्ति

- जिले के सभी मिडिल स्कूलों में होंगे न्यूनतम तीन शिक्षक
- डीएमएफ से कलेक्टर ने दी स्वीकृति
- दूर होगी शिक्षकों की समस्या, होगी

कोरबा। जिले में शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने जिला प्रशासन द्वारा लगातार पहल की जा रही है। हाई और हायर सेकंडरी स्कूलों में विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति के साथ-साथ अब मिडिल स्कूलों में भी शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। जिला खनिज संस्थान न्यास(डीएमएफ) के माध्यम से कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने मिडिल स्कूलों के लिए 96 शिक्षकों की स्वीकृति प्रदान की है। इस स्वीकृति के साथ ही शिक्षा विभाग द्वारा शीघ्रता से भर्ती प्रक्रिया पूरी करने आवश्यक तैयारी की जा रही है। जिला प्रशासन की इस पहल के साथ ही जिले के माध्यमिक विद्यालयों में जहाँ तीन से कम शिक्षक थे,अब इन विद्यालयों में न्यूनतम तीन शिक्षक होंगे। मिडिल स्कूलों में शिक्षकों की पर्याप्त व्यवस्था से विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। इससे जिले की शिक्षा व्यवस्था भी सुधरेगी।

कोरबा जिले में लगभग 518 मिडिल स्कूल संचालित है। इनमें से अनेक स्कूलों में शिक्षकों की कमी होने से अध्यापन प्रभावित होने की शिकायत लंबे समय से आ रही थी। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश देकर कम शिक्षक वाले विद्यालयों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए थे। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा सूची प्रस्तुत किए जाने के पश्चात कलेक्टर ने डीएमएफ से 96 शिक्षकों की नियुक्ति की स्वीकृति प्रदान की है। इन शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया शाला प्रबंधन समिति के माध्यम से की जाएगी। सर्वप्रथम ग्राम पंचायत स्तर पर योग्य शिक्षकों को प्राथमिकता दी जाएगी।

एसडीएम ने लटुआ के सरपंच को किया बर्खास्त

बलौदाबाजार (सुधर गांव)। विकासखंड बलौदाबाजार के ग्राम पंचायत लटुआ की सरपंच श्रीमती महेश्वरी साहु को एसडीएम बलौदाबाजार अमित कुमार गुप्ता ने छत्तीसगढ़ पंचायती राज अधिनियम की धारा 40 (1) के प्रावधानो के तहत तत्काल प्रभाव से पृथक कर दिया है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ पंचयती राज अधिनियम 1993 की धारा 40(2) के प्रावधानो के तहत 6 वर्ष की कलावधि के लिए पंचायत अधिनियम के अधीन निर्वाचन, सहयोजन के लिए निरर्हित घोषित किया है।

जारी आदेशानुसार ग्राम पंचायत लटुआ के ग्रामीणों द्वारा सरपंच महेश्वरी साहु के विरुद्ध भ्रष्टाचार की शिकायत की गई थी। जनपद सीईओ बलौदाबाजार के द्वारा जाँच दल गठित कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया जिसमें ग्राम पंचायत एवं ग्रामसभा द्वारा प्रस्ताव के आधार पर सभी कार्य कराये गए किंतु पंजी में 16 देयको का भुगतान किया जाना पाया गया जिसका व्यय प्रमाणक अप्राप्त हैं। बिना व्यय प्रमाणक के भुगतान किये जाने के फलस्वरूप छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 92 के तहत 401430 रूपये (चार लाख एक हजार चार सौ तीस रूपये) वसूली एवं धारा 40 के तहत कार्यवाही किये जाने हेतु प्रतिवेदित किये जाने पर प्रकरण पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया। अनावेदिका सरपंच ग्राम पंचायत लटुआ द्वारा मौखिक तर्क पेश किया गया कि उसके द्वारा सभी कार्य कराया गया है लेकिन देयक कार्यालय में उपलब्ध नहीं है। द्वितीय प्रति मांगी गई है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बलौदाबाजार के जाँच प्रतिवेदन व अनावेदक के तर्क से स्पष्ट है कि ग्राम पंचायत लटुआ के सरपंच व सचिव द्वारा विभिन्न फर्मो को कुल 4 लाख एक हजार 430 रुपये का भुगतान किया गया है किन्तु देयक प्रमाणक दस्तावेज उपलब्ध नहीं है जो कि छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 के अधीन छत्तीसगढ़ पंचायत लेखा नियम 1999 लेखा प्रक्रिया तथा अभिलेख नियम 37 के विपरीत है

News Rutin Aug. 24- Full Size-2.qxd 8/12/2024 8:10 PM Page 7

जेईई-नीट के तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं को कलेक्टर छिकारा ने दिए टिप्स

जांजगीर-चांपा। जिलाधीश आकाश छिकारा ने आकांक्षा आवासीय विद्यालय में जेईई व नीट की तैयारी कर रहे बच्चों से मुलाकात कर उसके पढ़ाई के बारे में चर्चा करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं से पढ़ाई व तैयारी में आ रही समस्याओं को जाना। श्री छिकारा ने विद्यार्थियों से कहा कि सिलेबस से संबंधित कोई भी समस्या आने पर टीचर से प्रश्न करें और सॉल्यूशन के बारे में विस्तार से जाने। जिलाधीश ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के संबंध में सभी टॉपिक के अधिक से अधिक वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को हल करने, टॉपिक की विस्तार से समझने कहा। आकाश छिकारा ने शिक्षकों को सिलेबस का शेड्यूल तैयार करने,पढ़ाई का मासिक प्लान तैयार कर विद्यार्थियों को प्रदान करने कहा। उन्होंने शिक्षकों को थ्योरी को पढ़ाने के बाद उससे संबंधित प्रश्न भी कराने व पढ़ाये टॉपिक से संबंधित प्रश्नों का प्रतिदिन होमवर्क देने के निर्देश दिए। उन्होंने छात्रों से कहा कि पिछले वर्षों के प्रश्नो का लगातार अभ्यास करते रहें। उन्होंने छात्रों से सभी चौप्टर से अधिक से अधिक प्रश्न अभ्यास करने कहा। उन्होंने शिक्षकों को कल क्या पढ़ने वाले हैं उसका प्लान तैयार करने, महत्वपूर्ण फॉर्मूला बताने, रिवीजन कराने, टेस्ट रिवीजन, हिंदी इंग्लिश के लेक्चर प्लान तैयार करने व प्रतिदिन प्रश्न अभ्यास कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने परीक्षा में सफलता के टिप्स भी दिये और बताया कि तैयारी के दौरान समय समय पर होने वाले मॉक टेस्ट, कोचिंग संस्थाओं के विशेषज्ञों द्वारा तैयार टेस्ट पेपर, रिवीज़न का महत्व को बताया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर सुमित बघेल, प्रभारी प्राचार्य विक्रांत साहू, शिक्षक गण सहित छात्र - छात्राएं अधिक संख्या में उपस्थित रहें।

लाखों के भ्रष्टाचार में दो साल पहले दोषी सरपंच-सचिव को अब अधिकारियों ने दिया क्लीन चिट

सक्ती। सक्ती में पंचायत विभाग के अधिकारियों के अजब-गजब कारनामे सामने आ रहे हैं. लाखों के भ्रष्टाचार में दो साल पहले दोषी करार सरपंच-सचिव को अधिकारियों ने क्लीन चिट दे दिया है. यहां तक मामले में सरपंच-सचिव को दोषी बताने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की बात कही जा रही है.

मामला सक्ती के ग्राम पंचायत पोरथा का है. ग्राम सरपंच मधु राठौर और सचिव के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत हुई थी. मामले की जांच के लिए 6 अधिकारियों की टीम गठित की गई थी, जिन्होंने जांच में लाखों की गड़बड़ी पाई थी. रिपोर्ट दो साल तक धूल फांकती रही. शिकायतकर्ता ग्रामीण कार्रवाई के लिए कार्यालयों के चक्कर काटते रहे, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई.

दो साल बाद मामले में फिर से जांच की गई. इस बार जनपद पंचायत के अधिकारी ने सरपंच-सचिव को भ्रष्टाचार के आरोपों से बरी कर क्लीन चिट दे दिया. वहीं इससे पूर्व जांच करने वाले 6 अधिकारियों को भी गलत साबित कर दिया. जनपद पंचायत सक्ती में अधिकारियों के इस अजब-गजब कारनामे ने अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़ा कर दिया है.

अब ग्रामीण सवाल कर रहे हैं कि आखिर क्या कारण था कि दो साल पहले जिस सरपंच-सचिव को भ्रष्टाचार में दोषी बताया गया था, उन पर कार्रवाई नहीं की गई, और आज उन्हें क्लीन चिट देकर अपने ही अधिकारियों को गलत साबित कर दिया गया.

जांच अधिकारियों को देंगे नोटिस

मामले में जनपद पंचायत सीईओ प्रीति पवार का कहना है कि कलेक्टर कार्यालय से शिकायत मिलने पर जांच कराई गई है, जिसमें राशि का आहरण नहीं हुआ पाया गया है. पूर्व में गलत जांच हुई थी, जिसके लिए संबंधित सभी 6 अधिकारियों को नोटिस जारी किया जाएगा.

जनहित मुद्दों पर कांग्रेस जमीनी लड़ाई लडने तैयार -बैज

राजनांदगांव। क्रांति दिवस एवं आदिवासी दिवस पर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज का 9 अगस्त को राजनांदगांव शहर आगमन हुआ। इस दौरान कांग्रेसजनों द्वारा पटाखे फोडक़र पुष्पमाला से स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष बैज न्यू सर्किट हाउस बसंतपुर में कांग्रेसजनों की बैठक लेकर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई। तत्पश्चात शहर के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए।

शहर कांग्रेस कमेटी के महामंत्री अमित चंद्रवंशी ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज का 6 अगस्त को एक दिवसीय पर राजनांदगांव शहर प्रवास में आए थे। न्यू सर्किट हाउस पहुंचने पर प्रदेश अध्यक्ष बैज का शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा व जिला ग्रामीण अध्यक्ष भागवत साहू द्वारा स्वागत कर विश्व आदिवासी दिवस की बधाई दी। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष के साथ संगठन महासचिव एवं प्रशासन मलकीत सिंह गैंद मौजूद रहे।

14 को निकलेगी संविधान यात्रा

न्यू सर्किट हाउस में पीसीसी अध्यक्ष ने बैठक लेकर राजनीतिक हालातों पर चर्चा कर आगामी कार्यक्रमों के संबंध में विचार-विमर्श कर आने वाले नगरीय निकाय व पंचायत चुनाव को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश देते एकजुटता के साथ जनहित के मुद्दों पर सत्ता पक्ष को घेरने की बात कही। श्री बैज ने कहा कि आने वाले 14 अगस्त को कांग्रेस द्वारा प्रदेश के हर वार्डों में संविधान यात्रा निकालेगी। वहीं 16 अगस्त को गोवंश सत्याग्रह के अंतर्गत प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार भाजपा सरकार की नाकामी के कारण सडक़ पर आवारा मवेशियों का जमावड़ा रहता है। जिसके कारण कई बार दुर्घटनाएं हो जाती है, इसको लेकर प्रदर्शन किया जाएगा। श्री बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार आते ही प्रदेश में कानून व्यवस्था ठप हो चुकी है। भाजपा राज में आदिवासी सुरक्षित नहीं है, उनका जल, जंगल छीना जा रहा है। निर्दोष बस्तर के आदिवासियों को फर्जी नक्सली बनाकर उन्हें मारा जा रहा, प्रताड़ित किया जा रहा, जेल भेजे रहे हैं, जो इस सरकार ने पूर्व में 15 साल किया है, वही आज भी कर रहे हैं।

स्वतंत्रता सेनानियों को दी श्रद्धांजलि

बैठक पश्चात पीसीसी अध्यक्ष स्टेट हाईस्कूल स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद रामनगर वार्ड नं. 07 में आयोजित वृहद पौधरोपण समारोह में शामिल हुए। तत्पश्चात श्री बैज पूर्व एल्डरमेन झम्मन देवांगन के पुत्र मयंक देवांगन के निधन पश्चात निवास मोतीपुर वार्ड नं. 3 पहुंचकर शोक संतृप्त परिवार से मिलकर ढांढस बंधाया। इसके बाद पीसीसी अध्यक्ष बैज रामाधीन मार्ग स्थित महापौर निवास पहुंचे, जहां पर महापौर हेमा देशमुख व परिजनों से भेंट मुलाकात की। इसके बाद पीसीसी अध्यक्ष प्रदेश महामंत्री शाहिद खान के कार्यालय स्टेशनपारा गए।

बैठक में हर्षिता स्वामी बघेल, भुनेश्वर बघेल, वरिष्ठ कांग्रेसी धनेश पाटिला, हेमा देशमुख, नवाज खान, जितेन्द्र मुदलियार, अंजुम अल्वी, शाहिद खान, थानेश्वर पाटिला, पदम कोठारी, कुतबुद्दीन सोलंकी, रमेश डाकलिया, कमलजीत सिंह पिन्टू, महेन्द्र यादव, श्रीकिशन खंडेलवाल, मेहुल मारू, रूपेश दुबे, शारदा तिवारी, आसिफ अली, सूर्यकांत जैन, माया शर्मा, मन्ना यादव, अशोक फडनवीस, मनीष गौतम, सिद्धार्थ डोंगरे, शकील रिजवी, महेश साहू, मनीष साहू, नीरज कन्नौजे उपस्थित थे।

14 गौवंशो की मौत मामले में 4 गिरफ्तार

किसान समिति की लापरवाही से बाड़ा में 14 मवेशियों की हुई है मौत

बलौदाबाजार। शुक्रवार की सुबह सूचना मिला कि थाना लवन क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मरदा एक बाड़ा मकान में कुछ मवेशी मृत हो गए हैं, जिससे तेज दुर्गंध आ रही है। कि सूचना पर थाना लवन का पुलिस बल तत्काल घटनास्थल ग्राम मरदा पहुंचा। घटनास्थल के एक कमरे में मवेशी मृत हालत में थे, जिसमें से तेज दुर्गंध आ रही थी। सांथ ही मवेशियों के दो-तीन दिन पहले मृत होने की संभावना बताई जा रही है। जांच कार्यवाही में कुल 14 की संख्या में मवेशी जिसमें 10 बछड़ा एवं 04 गाय शामिल हैं, मृत हालत में पाए गए। घटना के संबंध में ग्रामवासियों से पूछताछ पर पाया गया, कि ग्राम में फसलों की सुरक्षा हेतु घुमंतू मवेशियों को रखने के लिए एक मकान को चिन्हित किया गया था, जिसमें घुमंतू मवेशियों को पकड़कर रखा जाता था तथा इनकी देखरेख हेतु ग्राम स्तर पर ही एक किसान समिति बनाया गया था। मकान में तीन कमरे हैं, जिसमें से तीसरे कमरे में मृत मवेशियों के शव पाए गए हैं।

ग्रामीणों के बताएं अनुसार तीसरे कमरे में बदबू आने पर कमरे का सिटकनी खोलने पर गायों के मृत होने की जानकारी प्राप्त हुई। प्रकरण में ग्राम मरदा में घुमंतु मवेशियों को पकड़ने एवं उसकी देखरेख के लिए बनाए गए किसान समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों के विरुद्ध थाना लवन में धारा-पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 ज,झ एवं छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण नियम 2014 की धारा 09 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना क्रम में थाना लवन पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रकरण के संबंध में 04 आरोपियों को हिरासत में लिया गया है, जिनके विरुद्ध विधिवत कार्रवाई कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपियों में सुशील कुमार साहू उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम मरदा थाना लवन, तेरस राम साहू उम्र 60 वर्ष निवासी ग्राम मरदा थाना लवन, लक्ष्मी प्रसाद यादव उम्र 54 वर्ष निवासी ग्राम मरदा थाना लवन,राकेश कुमार जांगडे उम्र 49 वर्ष निवासी ग्राम मरदा थाना लवन शामिल है।

पीएम आवास के हितग्राहियों को हरेली पर मिली चाबी

बलौदाबाजार। राजस्व एवं अपदा प्रबंधन मंत्री टंकराम वर्मा आज विकासखण्ड बलौदाबाजार अंतर्गत ग्राम सकरी में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आयोजित जिला स्तरीय हरेली पर्व, पीएम आवास लाभार्थियों के गृह प्रवेश एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए। छत्तीसगढ़ के पहली त्यौहार हरेली के पावन अवसर पर अतिथियों के द्वारा कृषि औजारों की पारम्परिक रीति से पूजा- अर्चना कर जिलेवासियों की सुख समृद्धि एवं अच्छी फसल की कामना की। मंत्री वर्मा ने प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण अंतर्गत स्वीकृत आवास पूर्ण होने पर 10 हितग्राहियों को मकान की चाबी सौंपी तथा एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत अमृत सरोवर के मेड़ पर पौधा लगाया। कैबिनेट मंत्री वर्मा ने ग्रामवासियों की मांग पर ग्राम सकरी में नवीन पीडीएएस भवन की स्वीकृति एवं मानस भवन के लिए 10 लाख रूपये देने की घोषणा की।

राजस्व मंत्री वर्मा ने हरेली त्यौहार की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की पहली त्यौहार है। हरेली जो किसानों सहित सभी के लिए हरियाली, खुशहाली और समृद्धि का सन्देश लाती है। किसान खेती-किसानी के कार्य से निवृत्त होकर अच्छी फसल की कामना के साथ कृषि औजारों और प्रकृति की पूजा करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हरियाली और खुशहाली बनी रहे इसी बात को ध्यान रखते हुए मोदी की गारंटी एवं विष्णु के सुशासन के ध्येय वाक्य को हमारी सरकार साकार कर रही है।

कार्यक्रम को पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल, पूर्व संसदीय सचिव डॉ सनम जांगड़े एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राकेश वर्मा ने भी सम्बोधित किया। कलेक्टर दीपक सोनी ने बताया कि जिले में अब तक 86 अमृत सरोवर पूर्ण हो चुका है। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने तथा आजीविका के साधन के रूप में अमृत सरोवर विकसित किये जा रहे हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा राज्य शासन के निर्देशानुसार अमृत सरोवरों का शत- प्रतिशत निर्माण समय पर पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है।

बारिश में 63 व्यक्तियों ने कराई टीबी,मौसमी बीमारी की जांच

सारंगढ़ (सुधर गांव)। जिलाधीश धर्मेश साहू के निर्देशन में टिमरलगा में आयोजित शिविर में बारिश होने पर भी 63 व्यक्तियों ने टीबी और मौसमी बीमारी की जांच कराई,जिसमें टीबी के 30 संदिग्ध मरीज पाए गए। इस जांच में जो संदिग्ध हैं,उनका वेरिफाई जांच सेम्पल पैथोलॉजी से जुड़े स्वास्थ्य कर्मी और डॉक्टर चेक करेंगे। टीबी के मरीज होने पर इलाज,रोकथाम के उपाय और दवा का सेवन आदि की प्रक्रिया प्रारंभ करेंगे। जिले के खनिज और स्वास्थ्य विभाग तथा क्रेशर उद्योग समूह के सामूहिक योगदान से माइनिंग क्षेत्र के नागरिकों के स्वास्थ्य को देखते हुए गत दिनों टिमरलगा उप स्वास्थ्य केंद्र में शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में टीबी स्क्रीनिंग आउटरीच एवं मौसमी बीमारी का इलाज जांच सुबह 11 बजे से शाम तक किया गया।

डॉ एफ आर निराला सीएमएचओ का कार्यभार संभाला

सारंगढ़/बिलाईगढ़ । लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग मंत्रालय के आदेश के पालन में जिले के प्रभारी सीएमएचओ का पदभार चिकित्सा अधिकारी डॉ एफ आर निराला ने ग्रहण किया है, वहीं जिले के अब तक रहे प्रभारी सीएमएचओ डॉ अवधेश पाणीग्राही को प्रभारी सीएमएचओ सक्ती स्थानांतरित किया गया है। दोनों सीएमएचओ का जिले के स्वास्थ्य सुधार में अहम योगदान है।

डॉ निराला पूर्व में भी जिले के सीएमएचओ रह चुके हैं जिससे जिले के कामकाज में प्रगति रहेगी।

जिले के चिरायु टीम स्कूलों व आंगनबाड़ी केन्द्रों में कर रही नियमित स्वास्थ्य परीक्षण

सारंगढ़ (सुधर गांव)। जिलाधीश धर्मेश साहू के निर्देश पर जिले के समस्त सात चिरायु टीम अपने दैनिक स्वास्थ्य परीक्षण का कार्यक्रम समस्त स्कूलों में कर रही है। अप्रैल से सितंबर तक सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में प्रथम बार और अक्टूबर से मार्च तक द्वितीय बार स्वास्थ्य परीक्षण करती है। अभी लगभग सभी टीमो ने आंगनबाड़ी केंद्रों का प्रथम भ्रमण पूरा कर लिया है। इसके साथ ही अप्रैल से मार्च तक पुरे सत्र में एक बार स्कूलों में जाकर स्वास्थ्य परीक्षण करती है, जो लगातार जारी है। इस सत्र अप्रैल से जुलाई 2024 तक जिले भर के कुल आंगनबाड़ी केंद्रों की संख्या 1114 में कुल दर्ज बच्चे 56632 में से 51364 बच्चों की जांच हुई है। इसी तरह जिले में कुल स्कूलों की संख्या 1389 जिनमे दर्ज बच्चे 86059 में से 8866 बच्चों का स्वास्थ्य जांच टीम ने किया है। आंगनबाड़ी व स्कूल सभी के जांचोपरांत कैटेगरी ए के तहत 16 बच्चे चिन्हांकन के पश्चात 6 बच्चों का ईलाज हुवा है, कैटेगरी बी के तहत 1059 बच्चों के चिन्हांकन होकर 1052 बच्चों का ईलाज हुवा है, कैटेगरी सी के तहत 936 बच्चों के चिन्हांकन के बाद 930 बच्चों का ईलाज पूर्ण तथा कैटेगरी डी के अंतर्गत 2558 बच्चों के चिन्हांकन पर 2550 बच्चों का ईलाज हो पाया है। कुल 31 बच्चों का ईलाज अभी लम्बित है, जिनको ईलाज हेतु अपने स्वास्थ्य विभाग के टीम द्वारा प्रेरित किया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एफ.आर. निराला के मार्गदर्शन में सभी चिरायु टीम अपने रुट प्लान के तहत पूरी शिद्दत से यह कार्य कर रही है।

सामान्य व जटिल बीमारियों से ग्रसित चिन्हित बच्चों का ईलाज भी टीम अपने अधीनस्थ व अधिकृत अस्पतालों में करवाती है। स्वास्थ्य परीक्षण के साथ ही साथ स्वास्थ्य शिक्षा भी टीम के द्वारा उपस्थित बच्चों को दिया जाता है। जन जागरुकता से कई प्रकार के बीमारियों से बचा जा सकता है।

इस हेतु जिले की चिरायु टीम बच्चों को हाथ धोने के सही तरीके, तम्बाकू के दुष्प्रभाव, विटामिन (ए) की कमी हेतु - चल रहे शिशु संरक्षण माह में विटामीन ए घोल पिलाना, एनीमिया (रक्ताल्पता), बेटियों को माहवारी शिक्षा (महिला डॉक्टर के द्वारा), जन्मजात विकृति व उनके ईलाज, सिकल सेल प्रबंधन जांच व ईलाज, कुष्ठ की पहचान व ईलाज, टी बी के लक्षण, पहचान व ईलाज, फाइलेरिया (हाथी पॉव) की पहचान व बचाव, दृष्टि दोष के बारे में जानकारी,पहचान व ईलाज, आयरन व कृमि गोली के फायदे, मौसमी बीमारियों से बचने के तरीके, खान-पान के तरीके, स्टॉप डायरिया कैम्पेन - पहचान, बचाव व ईलाज आदि के बारे में विस्तृत चर्चा अपने दैनिक स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान टीम सम्बंधित स्कूलों में करती है।

नगर पंचायत जरहागांव के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष समेत सदस्यों की समिति गठित

मुंगेली। हाल ही अस्तित्व में आए जिले के नवगठित नगर पंचायत जरहागांव के अध्यक्ष -उपाध्यक्ष एवं सदस्यों की समिति का गठन किया गया है. इसे लेकर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय ने अधिसूचना जारी किया गया, जिसे छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित किया गया है.

जारी अधिसूचना में कहा गया है कि नगर पंचायत जरहागांव की परिषद के कृत्यों के संचालन के लिए आगामी आदेश पर्यंत तक यह प्रभावशील रहेगा. बहरहाल नवगठित नगर पंचायत जरहागांव के प्रथम अध्यक्ष के रूप में वेदप्रकाश कश्यप ,उपाध्यक्ष संतोष साहू एवं सदस्य रमाकांत कश्यप, कृष्णा जायसवाल, अंजोर दास बंजारे, अनिता कश्यप, विष्णु जायसवाल को मनोनीत किया गया है. इधर नगर वासियों में अब खुशी का माहौल है. ग्राम पंचायत जरहागांव अब नगर पंचायत जरहागांव अध्यक्ष उपाध्यक्ष के मनोनीत किए जाने के बाद पूर्ण रूप से अस्तित्व में आता हुआ नजर आ रहा है, क्योंकि इससे पहले यहां केवल कुछ माह पूर्व से CMO की पोस्टिंग जरूर की है, मगर वार्डों के परिसीमन के अलावा अब तक नगर विकास का कोई भी काम नहीं हो पाया था. अब लोगों का कहना है कि तेजी से नगर क्षेत्र का विकास होगा

News Rutin Aug. 24- Full Size-2.qxd 8/12/2024 8:10 PM Page 8

किसानों की खुशहाली और समृद्धि हमारा ध्येय -साय

मुख्यमंत्री निवास में मनाया गया हरेली तिहार, अनेक आयोजन हुए

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि किसानों की खुशहाली और समृद्धि हमारी सरकार का लक्ष्य है। हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है, यहां की 80 प्रतिशत आबादी का जीवन-यापन कृषि पर निर्भर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लेकर खेती-किसानी को समृद्ध बनाने का काम किया है।

मुख्यमंत्री साय आज राजधानी रायपुर स्थित अपने निवास में आयोजित हरेली तिहार कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मौजूद लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने इस मौके पर प्रदेशवासियों को हरेली पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 15 साल डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में सरकार ने किसानों की बेहतरी के लिए काम किया है। किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर कृषि ऋण जैसी सुविधाएं सुलभ करायी गई। किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी की जा रही है। छत्तीसगढ़ के किसानों को प्रति क्विंटल 3100 रूपए का मूल्य मिल रहा है, जो देश में सर्वाधिक है।

मुख्यमंत्री निवास में हरेली पर्व पर रंगारंग आयोजन हुआ। पूरे परिसर को ग्रामीण परिवेश में सजाया गया था। छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति के पहले पर्व हरेली पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपनी धर्मपत्नि श्रीमती कौशल्या देवी साय के साथ गौरी-गणेश पूजा कर भगवान शिव का अभिषेक किया। मुख्यमंत्री ने कृषि कार्य में प्रयुक्त होने वाले नांगर, रापा, कुदाल व कृषि यंत्रों की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली एवं सुख-समृद्धि की कामना की

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कृषि विभाग द्वारा वहां लगायी गयी उन्नत कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और अनुदान पर 23 किसानों को ट्रेक्टर और हार्वेस्टर की चाबी और अन्य कृषि उपकरण प्रदान किए। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायक श्री किरण देव, मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय पूरी प्रतिबद्धता और सच्चे मन से प्रदेशवासियों की बेहतरी के लिए काम कर रहे हैं, फलस्वरूप ईश्वर का आशीर्वाद भी मिल रहा है। प्रदेश में अच्छी बारिश हो रही है। उन्होंने कहा कि बीते छह माह में श्री साय के नेतृत्व में किसानों के कल्याण के लिए बड़े काम किए गए है, जिसकी चर्चा पूरे देश में हो रही है।

इस अवसर पर मंत्री श्री टंक राम वर्मा, विधायक श्रीमती लता उसेंडी, श्री मोती लाल साहू, श्री अनुज शर्मा, श्री संपत अग्रवाल, श्री गजेन्द्र यादव, श्री खुशवंत साहेब अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे। मुख्यमंत्री निवास में राउत नाचा और गेड़ी धूम छत्तीसगढ़ी संगीत, लोकनृत्य, पारंपरिक गड़वा बाजा, राउत नाचा, गेड़ी नृत्य, रहचुली और विभिन्न छत्तीसगढ़ी पकवानों और व्यंजनों के आनंद के साथ मुख्यमंत्री निवास में मौजूद लोग उत्साह के साथ हरेली में शामिल हुए। इस अवसर पर लोक कलाकारों ने राउत नाचा, करमा नृत्य, बस्तरिया नृत्य और गेड़ी चढ़कर नृत्य की प्रस्तुति दी। राउत नाचा के कलाकारों के आग्रह पर मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ी पारंपरिक वेशभूषा धारण कर कलाकारों का उत्साह बढ़ाया।

मेहमानों के लिए बना छत्तीसगढ़ी पकवान हरेली त्यौहार के मौके पर मुख्यमंत्री निवास छत्तीसगढ़ व्यंजनों से महक उठा। हरेली तिहार में आने वाले मेहमानों के लिए खास तौर पर ठेठरी, खुरमी, पिड़िया, अनरसा, खाजा, करी लड्डू, मुठिया, गुलगुला भजिया, चीला-फरा, बरा जैसे स्वादिष्ट पकवान बनाए गए थे, जिसका मेहमानों ने लुत्फ उठाया।

छत्तीसगढ़ी व्यंजनों से महका मुख्यमंत्री निवास

मेहमानों के लिए बना छत्तीसगढ़ी पकवान हरेली त्यौहार के मौके पर मुख्यमंत्री निवास छत्तीसगढ़ व्यंजनों से महक उठा। हरेली तिहार में आने वाले मेहमानों के लिए खास तौर पर ठेठरी, खुरमी, पिड़िया, अनरसा, खाजा, करी लड्डू, मुठिया, गुलगुला भजिया, चीला-फरा, बरा जैसे स्वादिष्ट पकवान बनाए गए थे, जिसका मेहमानों ने लुत्फ उठाया।

खेल,कला और व्यावसायिक कौशल में दक्ष बने विद्यार्थी-बघेल

बेमेतरा। खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने बेमेतरा जिले के नवागढ़ विकास खण्ड के शासकीय कोदूराम दलित महाविद्यालय के दीक्षारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए। महाविद्यालय के नव प्रवेशित विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के संबंध में जानकारी दी गई। इस दौरान खाद्य मंत्री ने परिसर में पौधारोपण किया।

मंत्री श्री बघेल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मुख्य उद्देश्य, प्रावधान, विशेषता और विभिन्न प्रकार के संकायों की जानकारी दी गई। शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों द्वारा चयन किये जाने वाले विषय जेनेरिक-इलेक्टिव का समूह तथा बैल्यू एडिशन कोर्स के समूह की व्याख्या किया। विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए एक समग्र और बहुविषयक दृष्टिकोण पर अधिक जोर देना है, ताकि विद्यार्थी विषयों के साथ-साथ खेल, कला और व्यावसायिक कौशल में दक्ष हो सकें।

शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों को क्रेडिट आधारित कोर्सेस, सतत् आंतरिक मूल्यांकन एवं अंत सेमेस्टर परीक्षा से संबंधित प्रावधानों के बारे में समझाया गया है। विद्यार्थियों अथवा पालकों की शंकाओं का भी समाधान किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत नवागढ़ अध्यक्ष श्रीमती मंजूलता रात्रे,नगर पार्षद जाहिद बैग,शासकीय के.आर.डी. महाविद्यालय के प्राचार्य श्रीमती एम.बंजारा और महाविद्यालय के परिवार के सदस्य गण अधिक संख्या में उपस्थित रहें।

बिलासपुर संभाग कमिश्नर के आदेश पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक, नोटिस जारी कर मांगा जवाब

कोरबा। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की नियुक्ति को लेकर रोचक मामला सामने आया है। कम अंक पानी वाली अभ्यर्थी ने अपने से अधिक अंक वाली अभ्यर्थी की नियुक्ति को चुनौती दी थी। कलेक्टर के आदेश को चुनौती देते हुए कमिश्नर कोर्ट में पुनरीक्षण अपील पेश की थी। कमिश्नर कोर्ट में मामला जीत गई। इसे चुनौती देते हुए योग्यताधारी सरस्वती मरावी ने हाई कोर्ट में अपील पेश की। हाई कोर्ट ने कमिश्नर के आदेश पर रोक लगाते हुए याचिकाकर्ता मरावी के पक्ष में नियुक्ति आदेश जारी करने का आदेश सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग को जारी किया है। कोर्ट ने कमिश्नर बिलासपुर संभाग व सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने कोरबा जिले के पोडी उपरोड़ा तहसील के ग्राम पंचायत सुतरा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की नियुक्ति के लिए आवेदन पत्र मंगाया था। सरस्वती मरावी द्वारा निर्धारित योग्यता 10 वीं व 12 वीं के अंकसूची,निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र,मतदाता परिचय पत्र,राशन कार्ड सहित आवेदन किया था। जिसके आधार पर सरस्वती मरावी को 56.92 प्रतिशत अंक प्राप्त हुआ था। रानू बिंझवार को 40.72 अंक प्राप्त हुआ था। याचिकाकर्ता सरस्वती मरावी से कम अंक होने के बावजूद भी रानू बिझवार को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पद पर नियुक्ति दे दी गई। सरस्वती मरावी द्वारा रानू बिझवार की नियुक्ति आदेश को चुनौती देते हुए जिलाधीश कोरबा के समक्ष अपील प्रस्तुत की। सुनवाई के बाद जिलाधीश ने सरस्वती मरावी के आवेदन को स्वीकार कर नियुक्ति देने का आदेश दिया। जिलाधीश कोरबा के आदेश के परिपालन में सरस्वती मरावी को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पद पर 13 मार्च 2023 को नियुक्ति आदेश जारी किया गया।

शिक्षा स्तर में सुधार होने पर ही बनेगा विकसित भारत -लखन देवांगन

कोरबा। देश की शिक्षा बेहतर से बेहतर बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में नई शिक्षा नीति लागू की है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की भी सोच यही है कि हमारे प्रदेश के बच्चे बेहतर शिक्षा प्राप्त करके अच्छे नागरिक बनें और देश की सेवा करें। इसके लिए आज से प्रदेश सहित कोरबा जिले के सभी 248 संकुल स्तर पर मेगा पालक - शिक्षक बैठक आयोजित की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा है। शिक्षा स्तर में सुधार होने पर ही हमारा देश विकसित भारत बन पाएगा। उक्त उद्गार वाणिज्य, उद्योग, व्यापार एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने शासकीय कन्या शाला विद्यालय में आयोजित संकुल स्तरीय मेगा पालक - शिक्षक बैठक में व्यक्त किए। श्री देवांगन ने कहा कि हर एक बच्चा बड़ा होकर आईएएस, आईपीएस, डॉक्टर, इंजीनियर बनने का सपना देखता है। यदि वह मन लगा कर ईमानदारी से मेहनत करता है और अच्छी शिक्षा प्राप्त करता है तो वह अपनी मंजिल पा लेता है। उन्होंने कहा कि स्कूल की शिक्षा के साथ ही पालक अपने बच्चों को घर पर पढ़ाएं। अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए ज्यादा समय दें। बच्चा जितना शिक्षित होगा,हमारा देश उतना ही आगे बढ़ेगा। प्राइवेट स्कूलों में फीस महंगी होती है, जहां पर सभी बच्चों का पढ़ना संभव नहीं हो पाता। इसलिए छत्तीसगढ़ शासन - प्रशासन के द्वारा मानक स्तर की अच्छी स्कूलों की व्यवस्था की जा रही है। भारत सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए सतत् प्रयास किए जा रहे हैं। स्कूलों में छात्रों को छात्रवृत्ति,पुस्तकें,गणवेश, कम्प्युटर शिक्षा आदि सुविधाएं दी जा रही है,जिसके माध्यम से पिछड़े परिवार के बच्चे भी आईएएस बन रहे हैं। इन शिक्षा सुविधाओं का लाभ लेने के लिए पालक और शिक्षक अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। मंत्री श्री देवांगन ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया तथा सभी को पौधरोपण हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर जिलाधीश अजीत वसंत ने कहा कि इस मेगा पालक - शिक्षक बैठक का उद्देश्य अपने बच्चों की पढ़ाई,उनके सर्वांगीण विकास में पालकों की व्यवस्थित तरीके से भागीदारी बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि बच्चों को अपने पालकों से अच्छा मार्गदर्शन मिलना आवश्यक है।इस हेतु पालकों को बच्चों की शिक्षा के लिए ज्यादा से ज्यादा समय देना होगा। आज की दुनिया तेजी से बदल रही है। स्मार्ट फोन, स्मार्ट टीवी ज्यादा प्रचलित हैं। ऐसे में पालकों के द्वारा बच्चों को अच्छा गाइडेंस देना चाहिए,ताकि बच्चे नई चीजों को समझें और उनका सदुपयोग करना सीखें। पालक बच्चों को स्मार्ट टीवी, स्मार्ट फोन आदि यंत्रो की सदुपयोग करने के लिए गाइड करें। जिलाधीश ने कहा कि पालकों के द्वारा शिक्षा व्यवस्था के लिए दिए सुझावों को जिला प्रशासन द्वारा अमल में लाने का प्रयास किया जाएगा। कलेक्टर ने सभी पालकों से आव्हान किया कि हर पालक अपने बच्चों को ज्यादा से ज्यादा समय देवें तथा बच्चों का गुणात्मक विकास करें। कार्यक्रम में पालक माधव लाल साहू ने सुझाव देते हुए कहा कि घर में बच्चों के लिए माता - पिता कम ही समय दे पाते हैं। बच्चों के लिए शिक्षा आज मानसिक बोझ की तरह है, इसमें सुधार की आवश्यकता है।

जिंदगी चाहे मानव की हो या जानवर की,कीमती है-हाई कोर्ट

बिलासपुर। हाथियों की बिजली करंट से हो रही मौत को रोकने दायर जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने राज्य शासन के उस जवाब को लेकर हैरानी जताई जिसमें बताया गया है कि बीते 03वर्ष के दौरान जंगलों में बिजली करंट से 21 हाथियों की मौत हो गई है। इस पर कोर्ट ने कहा कि जान,चाहे मानव की हो या जानवर की, जान कीमती होती है। डिवीजन बेंच ने केंद्र सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन्स का पालन करने का निर्देश दिया है। जनहित याचिका की अगली सुनवाई के लिए कोर्ट ने 03 अक्टूबर की तिथि तय कर दी है। हाथियों की बिजली करंट से हो रही मौत को लेकर नितिन सिंघवी ने जनहित याचिका दायर की है। दायर जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच को राज्य शासन ने बताया कि, बीते 03 वर्ष के दौरान 21 हाथियों की मौत बिजली करंट से हुई है। राज्य शासन के जवाब के बाद चीफ जस्टिस ने पूछा कि, क्या सब ऐसे ही खत्म हो जाएंगे। वाइल्ड लाइफ को नहीं बचाएंगे तो गए काम से। इनकी सुरक्षा और संरक्षा की जिम्मेदारी हम सबको उठानी ही पड़ेगी। जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते।

एसीबी टीम ने पटवारी को रंगे हाथ रिश्वत लेते पकड़ा

रायगढ़ । जिले के छाल में पटवारी कार्यालय में एसीबी की टीम ने छापा मारा है, वहीं पटवारी हरिशंकर राठिया को रिश्वत लेते मौके से गिरफ्तार की गई हैं ।पटवारी हरिशंकर राठिया हल्का नंबर 49 छाल में पदस्थ हैं। दरअसल पटवारी ने ग्रामीण से गांव की सरकारी भूमि पर कब्जा मामले में पहले 25 हजार की डिमांड की और फिर 20 हजार में मामला सेटल किया। ग्रामीण ने मामले की शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो से की थी। एसीबी की टीम बुधवार को छाल तहसील मुख्यालय पहुंची और ट्रैप करते हुए पटवारी हरिशंकर को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा।

बताया जा रहा है कि करीब 3-4 माह पहले ग्रामीण ने मामले की शिकायत की थी। छाल तहसीदार एनके सिन्हा ने बताया कि एसीबी की टीम छाल पटवारी कार्यालय में कार्रवाई कर रही है। करीब 20-25 हजार रुपए रिश्वत लेने की शिकायत थी।

जानकारी के मुताबिक ग्रामीण ने गांव की सरकारी भूमि पर कब्जा किया था। जमीन का पट्टा दिलाने के लिए पटवारी ने ग्रामीण से 25 हजार रुपए की मांग की थी। ग्रामीण पटवारी को 20 हजार रुपए पहले दे चुका था। इसके बाद पटवारी ने 5 हजार रुपए की और मांग की। जिसके बाद ग्रामीण ने मामले की शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो से की थी।

नाली निर्माण घोटाले में गई सरपंच की कुर्सी

कोरिया। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से सख्ती बरत रही है। जिलाधीश चन्दन त्रिपाठी ने निर्देश दिए कि कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसी दौरान सोनहत विकास खण्ड के ग्राम पंचायत कैलाशपुर में कार्य में लापरवाही व अनियमितता के मामले में दोषी पाए जाने पर ग्राम पंचायत की सरपंच रूपवती चेरवा को निलंबित कर दिया है।

नाली निर्माण में अनियमिता का है मामला

सोनहत के अंतर्गत ग्राम कैलाशपुर में नाली निर्माण में बड़ा घोटाला किया गया है। इस घोटाले से जुडी खबर प्रकाशित होने पर जिला स्तरीय जांच गठित समिति की जांच प्रतिवेदन अनुसार नाली निर्माण में सरिये का प्रयोग नहीं किया गया था।निर्मित नाली गुणवक्ताहीन पाई गई और सामग्री मद से 2.56 लाख रुपए का अतिरिक्त मूल्याकंन एवं सत्यापन व मजदूरी मद में 51 हजार रुपए अतिरिक्त भुगतान जैसे गंभीर आर्थिक अनियमितता व लापरवाही बरती गई थी।

सीईओ डॉ.चतुर्वेदी ने कार्यवाही की दी जानकारी

मामले की जानकारी देते हुए सीईओ डॉ.चतुर्वेदी ने बताया कि ग्राम पंचायत कैलाशपुर में महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत पक्की नाली निर्माण का कार्य स्वीकृत किया गया था। इस कार्य के लिए ग्राम पंचायत को निर्माण एजेंसी नियुक्त किया गया था। नाली निर्माण गुणवत्ताहीन होने की शिकायत पर जिला स्तरीय टीम से अविलंब जांच कराई गई,जांच में दोषी पाए गए ग्राम पंचायत सचिव राम प्रकाश साहू को तत्काल निलम्बित कर दिया है।

बलौदाबाजार जिला अस्पताल को उच्च गुणवत्ता सेवाओं के लिए राष्ट्रीय गुणवत्ता सम्मान मिला

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार जिला मुख्यालय में स्थित जिला अस्पताल को एक बार फिर राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र मिला। इसके लिए जून 2024 में अस्पताल में दी जा रही सेवाओं का 03 दिवसीय परीक्षण राष्ट्रीय स्तर से आई जांच टीम ने किया। इस टीम में भुवनेश्वर से डॉ. सुब्रज्योति राव,लखनऊ से डॉ. रूपेंद्र कुमार और दिल्ली से ऋतु नायर शामिल हुए। जिन्होंने अस्पताल के 15 विभागों का बहुत ही बारीकी से निरीक्षण करने के बाद मार्किंग की। परीक्षण के बाद अंतिम रूप से जिला अस्पताल उक्त मानकों पर खरा उतरा और प्रमाण पत्र जारी हुआ।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.राजेश कुमार अवस्थी ने बताया कि जिलाधीश दीपक सोनी के मार्गदर्शन में इसकी पूरी तैयारी की गई। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र जिसे ह्नक्र्र भी कहा जाता है। ये प्रमाण पत्र अस्पतालों में दी जा रही सेवाओं की गुणवत्ता जांचने की भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की मूल्यांकन व्यवस्था है। किसी संस्था को ये प्रमाण पत्र मिलना बेहतर होती सुविधा को दर्शाता है।जिला अस्पताल में इस ह्नक्र्र के अंतर्गत परीक्षण के लिए 15 विभागों जैसे- आईपीडी, ओपीडी, आपातकाल,मैटरनिटी,लेबर, फार्मेसी, ब्लड बैंक, रेडियोलॉजी, लैब,ओटी, स्ह्लष्ट 8 क्षेत्रों की जांच की गई। जो हैं सर्विस व्यवस्था मरीज के अधिकार, इनपुट,सपोर्ट सर्विस,क्लीनिकल सर्विस संक्रमण नियंत्रण तथा आउटकम. जिला अस्पताल को ह्नक्र्र के साथ-साथ लक्ष्य का भी प्रमाण पत्र हासिल हुआ है जो मातृ और शिशु स्वास्थ्य निर्धारित है।एक अस्पताल की सबसे विशेष उपलब्धि आपातकाल स्थिति में मरीज को दी जाने वाली बेहतर सुविधा होती है. ऐसे में निरीक्षण टीम ने आपातकालीन व्यवस्था की भी सराहना की गई। आपातकालीन सेवा को सौ में 98.88, एसएनसीयू को 95.48 और एनआरसी को 94.86 नंबर मिले हैं. पूरे जिला अस्पताल को 91.92 नंबर प्राप्त हुआ है।

बलौदाबाजार जिला अस्पताल को इससे पहले भी प्रमाण पत्र मिल चुका है। नया प्रमाण पत्र गुणवत्तापूर्ण सेवाओं को रखने के लिए मिला है।